हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 34, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 1 अगस्त, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

सीएम योगी बोले- मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा था?

ऐतिहासिक गलती हुई है और उस गलती के लिए हम चाहते हैं समाधान हो

नोएडा। ज्ञानवापी मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा था। मस्जिद कहेंगे तो फिर विवाद होगा। मुझे लगता है कि भगवान ने जिसको दृष्टि दी है वो देखे ना त्रिशूल मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है, हमने तो नहीं रखा है ना। ज्योर्तिलिंग है देव प्रतिमाएं हैं। दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं। उधर, सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए इसे विवाद को हवा देने वाला बयान बताया। सीएम योगी ने कहा कि मुझे लगता है कि ये प्रस्ताव मुस्लिम समाज की तरफ से आना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है और उस गलती के लिए हम चाहते हैं समाधान हो। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी एएनआई के पॉडकास्ट में अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान ज्ञानवापी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बड़ा बयान दिया। इस दौरान एक और अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश संविधान से चलेगा, मत और मजहब से नहीं। देखिए मैं ईश्वर का भक्त हूं, लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं। आपका मत, आपका मजहब, अपने तरीके से होगा, अपने घर में होगा। अपनी मस्जिद, अपने इबादतगाह तक होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप जो है किसी भी अन्य तरीके से दूसरे पर थोप नहीं सकते। नेशन फर्स्ट। अगर देश में किसी को रहना है तो राष्ट्र को सर्वोपरि मानना है, अपने मत और मजहब को नहीं। वहीं, ज्ञानवापी को लेकर सीएम योगी के बयान का संत समाज ने स्वागत किया है। अखिल भारतीय संत समिति महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती कहा कि ज्ञानवापी का संघर्ष लंबा हो चला है, मुस्लिम समाज को पहल करने की जरूरत है। सीएम योगी के बयान पर पलटवार करते हुए सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सभी धार्मिक स्थलों की 15 अगस्त 1947 की स्थिति को यथास्थिति स्वीकार किया जाए। मस्जिद में मंदिर खोजने का दुस्साहस कर रहे लोग इस विवाद को हवा दे रहे हैं। विवाद को आगे बढ़ाने की प्रथा शुरू कर रहे है, ऐसा ही चलता रहा तो इसी प्रथा के तहत कल लोग मंदिरों में बौद्ध मठ खोलना शुरू कर देंगे।

एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

केरल। 154 यात्रियों के साथ त्रिची-शारजाह एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या 613 को तकनीकी कारणों से तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर एहतियाती लैंडिंग करनी पड़ी। फिलहाल, सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रवक्ता ने कहा, "तिरुचिरापल्ली और शारजाह के बीच उड़ान भरने वाली उड़ान IX613 ने आज एहतियातन तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के कारण यह निर्णय लिया गया। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी।" इससे पहले 23 जुलाई को दुबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान में भी तकनीकी खराबी देखी गई थी। इस कारण फ्लाइट को तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इसके बाद यात्रियों के विए वैकल्पिक उड़ान की सुविधा दी गई।

पीएम मोदी मेट्रो प्रोजेक्ट समेत कई और परियोजनाओं की देंगे सौगात, राष्ट्रीय पुरस्कार से भी होंगे सम्मानित

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे का दौरा करेंगे। इस दौरान वो विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार (30 जुलाई) को एक बयान में कहा कि पीएम मोदी मंगलवार को मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे और लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार भी ग्रहण करेंगे। अपने आगमन के बाद पीएम मोदी 1 अगस्त को सुबह 11 बजे दगडूशेठ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय सम्मान कार्यक्रम में पहुंचेंगे। 11.45 बजे उनको सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने पहले कहा था कि इस कार्यक्रम के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। वहीं, पीआईबी के बयान में कहा गया है कि यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने देश की प्रगति और विकास के लिए काम किया है और जिनके योगदान को केवल उल्लेखनीय और असाधारण के रूप में देखा जा सकता है। बयान में कहा गया है कि इसे हर साल 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्य तिथि पर प्रस्तुत किया जाता है। पीएम मोदी इस पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता होंगे।

हम दखल नहीं देंगे अगर..., महिलाओं के साथ दरिंदगी मामले में बोले सीजेआई, सुनवाई कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी से देश को शर्मसार करने वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। बता दें, शीर्ष अदालत दो महिलाओं पर भीड़ द्वारा किए गए हमले से संबंधित मामले की सुनवाई को स्थानांतरित करने के केंद्र सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। उसने इस दौरान कड़े शब्दों में कहा कि घटना को यह कहकर उचित नहीं ठहरा सकते कि ऐसा और भी कहीं हुआ है। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई कल दोपहर 2 बजे के लिए स्थगित कर दी है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि महिलाएं मामले की सीबीआई जांच और मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं।

सिब्बल ने आगे कहा कि पीड़ित महिलाओं में से एक के पिता और भाई की हत्या कर दी गई थी। उनके अभी तक शव नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि 18 मई को जीरो एफआईआर दर्ज की गई। जब कोर्ट ने संज्ञान लिया, तब कुछ हुआ। तो फिर हम क्या भरोसा रखें? उन्होंने कहा कि ऐसी कई घटनाएं होंगी। इसलिए हम एक ऐसी एजेंसी चाहते हैं जो मामले की जांच करने के लिए स्वतंत्र हो। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का हमने कभी अनुरोध नहीं किया। हमारी मांग यह है कि इस मामले को मणिपुर से बाहर स्थानांतरित किया जाए। महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस घटना का तो वीडियो सामने आया है, लेकिन यह एकमात्र घटना नहीं है जहां महिलाओं के साथ मारपीट या उत्पीड़न हुई है, अन्य महिलाएं भी हैं। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा के व्यापक मुद्दे को देखने के लिए एक तंत्र भी बनाना होगा। इस तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे सभी मामलों का ध्यान रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दोनों पक्षों को संक्षेप में सुनेगा और फिर कार्रवाई के सही तरीके पर फैसला करेगा। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल कोई साक्ष्यात्मक रिकॉर्ड पेश नहीं किए गए हैं। सीजेआई ने कहा कि पहले याचिकाकताओं को सुनते हैं उसके बाद अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को सुना जाएगा।

कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह स्पष्ट है कि पुलिस उन लोगों के साथ मिलकर काम कर रही थी, जिन्होंने दोनों महिलाओं के खिलाफ हिंसा की और पुलिस ने इन महिलाओं को भीड़ के पास ले जाकर छोड़ दिया और भीड़ ने वही किया जो उन्होंने किया। वहीं, सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का कहना है कि अगर सुप्रीम कोर्ट मामले की निगरानी करेगा तो केंद्र को कोई आपत्ति नहीं है। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि तीन मई को जब मणिपुर में हिंसा शुरू हुई थी, उसके बाद ऐसी कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं।

गंगा में पलटी बैलगाड़ीः कासगंज में चढ़ी धारा में पांच लोग डूबे, ग्रामीणों ने चार को बचाया; किशोरी की मौत

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज में सोमवार की दोपहर एक बैलगाड़ी गंगा के तेज बहाव में पलट गई। उसमें सवार पांच लोग गंगा में डूबने लगे। इससे मौके पर चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर पहुंचे आसपास मौजूद ग्रामीणों ने महिला सहित चार को बचा लिया। जबकि, एक किशोरी की मौत हो गई।

घटना से घर में रोना पिटना मचा हुआ है। घटना पटियाली थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर वैश्य गांव के पास की है। यहां मुंता नगला गांव निवासी नवाब अली अपनी बैलगाड़ी पर पशुओं के लिए घास लेने निकला था। उसकी भतीजी माजिदा (14) आई और बोली हम लोग भी घास लेने चलेंगे। वह अपनी सहेलियों के साथ आकर गाड़ी में बैठ गई। इसमें सानिया (14) भूरी (13), सहरीन (14) शामिल थीं। खेत की तरफ गाड़ी जाती देखकर गांव निवासी हारुन की पत्नी निजासन (38) भी उसमें बैठ गई। रास्ते में नाथ कुटी पुरानी गंगा के सोते के पास गंगा के तेज बहाव में गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। वह धारा में पलट गई। इससे गाड़ी में सवार सभी लोग धारा में बहने लगे। वह बचाने के लिए चीखे। आवाज सुनकर ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे। तैराकी जानने वाले ग्रामीणों ने तत्काल धारा में छलांग लगा दी। उन्होंने कड़ी मेहनत करके सभी को बाहर निकाला। कुछ ही देर में माजिदा ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने अन्य सभी को बेहोशी की हालत में बदायूं में एक निजी चिकित्सक के यहां इलाज के लिए ले गए। उधर, माजिदा की मौत की सूचना पर परिवार में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर एसडीएम कुलदीप सिंह, तहसीलदार निधि पांडेय ने क्षेत्रीय लेखपाल बृजविहारी को मौके पर भेजकर जानकारी ली। जानकारी होने पर थानाध्यक्ष राजीव यादव भी मौके पर पहुंच गए। परिजन ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया।

कानपुर में क्लास के अंदर छात्र ने सहपाठी को गले में दो बार मारा चाकू, पानी की तरह बहा खून, मौत

कानपुर। बिधनू की न्यू आजाद नगर चौकी स्थित प्रयाग विद्या मंदिर में पढ़ने वाले हाईस्कूल के दो छात्रों में आपस में झगड़े के बाद चाकूबाजी हो गई। आरोपित छात्र ने दूसरे छात्र नीलेंद्र तिवारी पर चाकू से हमला कर दिया। घायल को एलएलआर अस्पताल लेकर जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपित छात्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। दोनों छात्रों की उम्र 15 वर्ष है। गंगापुर कॉलोनी यशोदा नगर निवासी जितेंद्र तिवारीप्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में 15 वर्षीय बेटा नीलेंद्र तिवारी, बेटी राधिका तिवारी, पत्नी पूनम हैं। नीलेंद्र पड़ोस के ही प्रयाग विद्या मंदिर में 10 ए का छात्र था। सुबह करीब 10 बजे नीलेंद्र का अपनी ही कक्षा में पढ़ने वाले सहपाठी से किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। इसी बीच दूसरे छात्र ने चाकू निकाली और नीलेंद्र के गले पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। एक के बाद एक कई वार होने से नीलेंद्र बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर स्कूल स्टाफ व छात्र मौके की ओर दौड़े और घायल नीलेंद्र को हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल पहुंचने तक नीलेंद्र की सांसे चल रही थी लेकिन उपचार के 15 मिनट बाद ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड ने बताया कि आरोपित छात्र को गिरफ्तार कर लिया गया है उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं कि उसने नीलेंद्र की हत्या क्यों की।

मणिपुर मुद्दे पर गोवा विधानसभा में हंगामा सभी विपक्षी सदस्य दो दिन के लिए निलंबित

पणजी। गोवा विधानसभा में सोमवार को मणिपुर मुद्दे पर हंगामा हो गया। इस दौरान हंगामा करने के लिए सभी सात विपक्षी सदस्यों को दो दिन के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया। जिन नेताओं को विधानसभा की कार्यवाही से निलंबित किया गया है, उनमें विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ, कांग्रेस विधायक एलटोन डीकोस्टा, कार्लोस फेरेरा, आप विधायक वेंजी वीगास, क्रूज सिल्वा, गोवा फॉरवर्ड पार्टी के विजय सरदेसाई और गोवा रिवोल्यूशनरी पार्टी के विरेश बोरकर शामिल हैं।

गोवा विधानसभा में प्रश्नकाल के बाद यूरी अलेमाओ ने सदन में मणिपुर हिंसा के मामले पर चर्चा की मांग की। अलेमाओ ने कहा कि शुक्रवार को क्रूज सिल्वा ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए प्राइवेट मेंबर प्रस्ताव दिया था लेकिन सभापति रमेश तावड़कर ने उसे अस्वीकार कर दिया। इसके विरोध में सोमवार को सभी विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। सभापति ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय इस मुद्दे को डील कर रहा है और संसद में भी इस पर चर्चा चल रही है। ऐसे में विधानसभा में इस पर चर्चा की इजाजत नहीं दी जा सकती। सभापति के इस जवाब से नाराज होकर विपक्षी सदस्य वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान एमजीपी के विधायक जीत अरोलकर ने बोलना जारी रखा तो विपक्षी सदस्य उनकी तरफ लपके और उन्हें बोलना से रोकना चाहता लेकिन मार्शल ने सदस्यों को सदन से बाहर कर दिया।

घटना के बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पर्यावरण मंत्री नीलेश कबराल ने विपक्षी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। सीएम ने कहा कि सदन में ऐसे व्यवहार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसके बाद सभापति ने सभी सातों विपक्षी सदस्यों को दो दिन के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

हरियाणा के मेवात में भगवा यात्रा पर पत्थरबाजी कई गाड़ियों को भी फूंका, इंटरनेट सेवा बंद

नूंह। हरियाणा के नूंह में ब्रज मंडल यात्रा पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव कर दिया, जिससे कई लोग घायल हो गए। लोगों ने झड़प के दौरान करीब पांच गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए नूंह और हथीन में इंटनेट सेवा को भी बंद कर दिया गया है। खास बात है कि हर साल की तरह इस साल भी बृज मंडल जलाभिषेक यात्रा निकाली गई है। यात्रा में गुरुग्राम से भी सैकड़ों गाड़ियों में सवार विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भगवान शिव का जलाभिषेक करने नल हड शिव मंदिर नूह में गए हुए थे। यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक प्रताप सिंह भी शामिल हैं। यात्रा जैसे ही शिव मंदिर नल हड पहुंच रही थी। उसी दौरान समुदाय विशेष से जुड़े शरारती तत्वों ने यात्रा पर पथराव शुरू कर दिया और कई गाड़ियों में भी आगजनी और तोड़फोड़ की है। विश्व हिंदू परिषद गुरुग्राम के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि यात्रा पर अचानक हमला किया गया। हालांकि, पुलिस अभी तक इस मामले को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन कहीं ना कहीं इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। इस हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं है। अभी नूह बाईपास पर जबरजस्त पथराव है, गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी हो रही है। नलहड़ रोड और खेड़ा मोड़ के बीच बजरंग दल के कार्यकर्ता फसे हुए हैं, पुलिस गायब है और मौके पर स्तिथि तनावपूर्ण है। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गुरुग्राम और पलवल से अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया है। इसके अलावा नूंह और हथीन में इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है।

'आपसी सहमति से बना रिश्ता तो बच्चा जिंदा पैदा होगा', नाबालिग को बॉम्बे हाईकोर्ट ने नहीं दी गर्भपात की मंजूरी

मुम्बई। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने एक 17 वर्षीय लड़की को 24 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि यह सहमति से बनाए गए संबंध का नतीजा है और इस अवस्था में बच्चा जीवित पैदा होगा। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति वाईजी खोबरागड़े की खंडपीठ ने 26 जुलाई को अपने आदेश में कहा कि लड़की इस महीने 18 साल की हो जाएगी और वह दिसंबर 2022 से लड़के के साथ सहमति से रिश्ते में थी। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति वाईजी खोबरागड़े की खंडपीठ ने 26 जुलाई को अपने आदेश में कहा कि लड़की इस महीने 18 साल की हो जाएगी और वह दिसंबर 2022 से लड़के के साथ सहमति से रिश्ते में थी। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ित लड़की और आरोपी लड़के के बीच कई बार शारीरिक संबंध बने थे। इसमें कहा गया है कि लड़की खुद गर्भावस्था किट लेकर आई और इस साल फरवरी में गर्भावस्था की पुष्टि की। हाई कोर्ट ने कहा, "इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता पीड़िता निर्दोष नहीं है और उसकी समझ पूरी तरह परिपक्व थी। यदि याचिकाकर्ता को गर्भधारण करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी, तो वह गर्भावस्था की पुष्टि के तुरंत बाद गर्भपात की अनुमति मांग सकती थी।" लड़की ने अपनी मां के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें यौन

अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत खुद को एक बच्ची होने का दावा करते हुए गर्भावस्था को समाप्त करने की मांग की गई थी। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत, यदि यह पाया जाता है कि गर्भावस्था मां या बच्चे के जीवन या स्वास्थ्य के लिए खतरा है, तो 20 सप्ताह से अधिक के गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता होती है। याचिका में दावा किया गया कि गर्भावस्था से याचिकाकर्ता के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान होगा। दरअसल, याचिकाकर्ता भविष्य में डॉक्टर बनना चाहती है, जिसके लिए वो तैयारी में लगी हुई है। उच्च न्यायालय ने पीड़ित लड़की की जांच के बाद मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर ध्यान दिया, जिसमें कहा गया था कि भ्रूण में कोई विसंगति नहीं थी और विकास सामान्य था। मेडिकल बोर्ड की राय है कि यदि इस चरण में गर्भावस्था को समाप्त कर दिया जाए, तो पैदा होने वाले बच्चे में जीवन के लक्षण दिखाई देंगे, लेकिन वह स्वतंत्र रूप से जीवित रहने में सक्षम नहीं होगा। हाई कोर्ट ने कहा, "अगर गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए मां के अनुरोध पर विचार करते हुए जबरन प्रसव के बाद भी बच्चा जीवित पैदा होता है, तो इससे विकृत बच्चे के अविकसित होने की संभावना होगी।" पीठ ने कहा कि वह गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने के इच्छुक नहीं है, क्योंकि किसी भी मामले में, बच्चा जीवित पैदा होगा और प्राकृतिक प्रसव केवल 15 सप्ताह दूर है।

दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस में ही रार, दिग्गज नेता बोले- बिल का विरोध करना गलत

नई दिल्ली। आज राजधानी दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़ा संशोधित विधेयक लोकसभा में पेश नहीं किया गया। यह जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दी है। देश के विभिन्न विपक्षी दलों से अरविंद केजरीवाल ने इस बिल के खिलाफ समर्थन देने की मांग की। जहां कांग्रेस ने केजरीवाल का समर्थन देने का दावा किया है, वहीं दिल्ली के दिग्गज कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने पार्टी से अलग अपना पक्ष रखा है। दिल्ली अध्यादेश बिल पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का कहना है, "लोकसभा में बीजेपी के पास बहुमत है, ये बिल सदन में पास होना चाहिए। ये बिल दिल्ली की स्थिति के मुताबिक है। अगर आप दिल्ली को शक्तियां देना चाहते हैं तो, ये पूर्ण राज्य बनाया जाना चाहिए। मेरी राय में इस बिल का विरोध करना गलत है।" केंद्र के इस अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसके विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुकी है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस बिल के खिलाफ सभी विपक्षी दलों का समर्थन मांगा, जिसके बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी अध्यादेश के विरोध में उतर आए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस के तमाम नेताओं ने बिल के खिलाफ अरविंद केजरीवाल का समर्थन किया था, जिसके बाद केजरीवाल ने उन्हें थैंक्यू भी बोला था। इतना ही नहीं, इसके बाद ही केजरीवाल इंडिया गुट की बैठक में केजरीवाल शामिल हुए थे।

संपादकीय

विधानसभा चुनाव, बंटाधार-करप्शन नाथ, भ्रष्टाचार एवं घोटाले के नाम पर

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद हो चुका है। पक्ष और विपक्ष ने अपने अपने तरकश से तीर निकालना शुरू कर दिए हैं। चुनावी रण के लिए चक्रव्यूह की रचना भी शुरू हो गई है। 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, हर मामले में पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़कर नया कीर्तिमान रचने जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह इंदौर पहुंचे। उन्होंने विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए, विपक्षी दल कांग्रेस पर अपने तरकश से तीर छोड़े। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को करप्शन नाथ बताया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बंटाधार बताते हुए, अमित शाह ने प्रश्न किया जब कांग्रेस 2003 में सत्ता छोड़कर गई थी। तब भाजपा सरकार को कितना बजट सौंप कर गए थे। अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा,कि वह सरकार छोड़कर बाहर गए थे। तब 23000 करोड का बजट मध्यप्रदेश का था। 2023 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3,14,000 करोड का बजट पेश किया। अमित शाह ने मालवा की धरती से चुनावी बिगुल बजा दिया है। वहीं कांग्रेस भी इस चुनाव को एक नई रणनीति के तहत लड़ने जा रही है। कर्नाटक विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस ने जिस तरह भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा था। इसके अलावा हिंदुत्व के मुद्दे पर भी कर्नाटक में कांग्रेस ने नई तरीके की आक्रमक होकर लड़ाई लड़ी थी। कांग्रेस कर्नाटक का चुनावी मॉडल, मध्यप्रदेश में लेकर आई है। निश्चित रूप से कांग्रेस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और भाजपा को घेरने के लिए भ्रष्टाचार, घोटाले, महंगाई और बेरोजगारी,को मुख्य मुद्दा बनाकर चुनाव के मैदान में उतरने जा रही है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा सरकार को बराबरी की टक्कर दे रहे हैं। इंदौर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचे। वहां पर उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक किया। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी इंदौर की सभा के बाद महादेव का जलाभिषेक किया। भगवान राम और बजरंगबली का सहारा लेकर भक्ति के साथ कांग्रेस भी चुनाव मैदान मे है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भगवानों के लिए भी बड़ा धर्म संकट उत्पन्न होता हुआ दिख रहा है। वह अपने किस भक्त के साथ जाकर खड़े हों। कांग्रेस और भाजपा विधानसभा चुनाव के मुकाबले में बराबरी पर आकर खड़ी हैं। कोई भी पक्ष किसी से कम नजर नहीं आ रहा है। भाजपा को भ्रष्टाचार, घोटाले, कमीशन खोरी के आरोप में घेरने की तैयारी कांग्रेस कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के संसदीय क्षेत्र में बागेश्वर धाम का एक बड़ा आयोजन कमलनाथ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में कांग्रेस भी पीछे नहीं है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष ने अपने अपने तरकस के लिए जो तीर तैयार किए हैं। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी सेनाओं को एकजुट कर रहे हैं। प्रारंभिक रूप से भारतीय जनता पार्टी मे बगावत की जो आशंका थी। उस पर बहुत हद तक काबू पा लिया गया है। टिकट वितरण का पैटर्न मध्यप्रदेश में भाजपा का बदला हुआ होगा। भाजपा में उन नेताओं को टिकट भी मिलेगी, जो 75 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके होंगे। जो स्वयं चुनाव जीतने और अन्य विधानसभा सीटों को जिताने का सामर्थ, जिन नेताओं का होगा। ऐसे नेताओं को भाजपा में अब रिटायर नहीं किया जाएगा। प्रभावशील भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के परिवार जन को भी टिकट देकर उनकी राजनैतिक ताकत का लाभ इस चुनाव में उठाने की रणनीति पर भाजपा काम कर रही है। भाजपा की संगठन क्षमता मैदानी स्तर पर कांग्रेस से बहुत बेहतर है। कांग्रेस इस मामले में भाजपा का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस नेता कह रहे हैं, कि महाभारत के युद्ध में कौरवों के पास भगवान श्री कृष्ण की सेना शामिल थी। युद्ध भूमि में सैन्य बल कौरवों के पास ज्यादा था। कौरवों के पास बड़े-बड़े योद्धा भी थे।

फसल रहा अब काट!

बोया था आतंक ।
फसल रहा अब काट ।।
है बैठा बारुद पर ।
कौन लगाए डांट ।।
जन्म हुआ है जब से ।
यही है इसका खेल ।।
लेकिन हुआ जरुरी ।
कसना भी नकेल ।।
झुलस रहा पर ऐसे ।
मुश्किल है सुधार ।।
करना होगा ठीक से ।
इस पर नया प्रहार ।।
हो ऐसी रणनीति ।
बन जाए कुछ काम ।।
वरना हर पल इसी तरह ।
है मचना कोहराम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कितना जिएंगे इससे ज्यादा यह मायने रखता है कि किस तरह का जीवन जिएंगे?

ललित गर्ग

उतार-चढ़ाव, हर्ष-विषाद, सुख-दुःख हर इंसान के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी इन जटिलताओं के बीच एक सपना एवं जिजीविषा जरूर होनी चाहिए जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहे। जीवन ऐसे जीना चाहिए जैसे जिंदगी का आखिरी दिन हो। भले ही हमारी जिंदगी उतार-चढ़ावों से भरी हो फिर भी हमें बढ़िया और नेक काम करते हुए जीवन के पल-पल को उत्साह एवं उमंग से जीना चाहिए। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते है। हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है। और फिर धीरे-धीरे तनाव बढ़ने लगता है, जो जीवन को नीरस और उबाऊ बना देता है।

जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही है जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। हमारे संकल्प और हमारे आदर्श सांसारिक जीवन के बंधनों में बंधे रहने के बजाय उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मन की इच्छाएं इसके विपरीत होती हैं। इन दोनों में लगातार संघर्ष चलता रहता है। इस संघर्ष में जीत अक्सर मन की इच्छाएं की ही होती है। इसका कारण यह है कि इच्छाओं की मांगें पूरी करने में मनुष्य को तुरंत सुख और आनंद मिलता है। इसके विपरीत आदर्श को जीने या आदर्श की अपेक्षाओं को पूरा करने में मनुष्य को शुरूआती दौर में अपने सुख और आनंद का बलिदान करना होता है। इसलिए लोग सामान्यतया ऐसा करने से बचते हैं। अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे-धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है।

महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। सीधे-सीधे आसान रास्तों पर चलते हुए भी कोई भटकता रह जाता है। कुछ भटकते हुए भी मंजिल की ओर ही कदम बढ़ा रहे होते हैं। दरअसल, जब भीतर और बाहर का मन एकरूप होता है तो भटकना बेचैन नहीं करता। भरोसे और भीतर की ऊर्जा से जुड़े कदम आप ही राह तलाश लेते हैं। ओशो कहते हैं, भटकता वही है, जो अपने भीतर की यात्रा करने से डरता है। जब आपके अंदर किसी काम को लेकर जुनून होता है तो कभी-कभी वह जुनून ही जीवन के उद्देश्य में तब्दील होने लगता है। जीवन कभी एक सा नहीं चलता। इसलिए यह जरूरी भी नहीं कि बेहद प्रारंभिक अवस्था में ही आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल जाए। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं, जो अलग-अलग अनुभव देते हैं। इसलिए कभी एक बेहद तनाव वाले पड़ाव में लगे कि किसी तरीके का बदलाव आपके जीवन को सरल और खुशनुमा बना सकता है तो उसे आप अपना उद्देश्य बना लीजिए। लेकिन यह कोई ऐसा कार्य नहीं है, जिसके बारे में आप बैठकर अलग से मंथन करें। यह हमारा मन तय करता है कि उसे किस कार्य को करने से खुशी मिलती है। पर दिमाग के साथ दिल का तालमेल बिठाना न भूलें और जहां लगे कि दिल और दिमाग मिल गए हैं तो समझ जाएं कि आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया है।

जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है- जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं। अक्सर आधे-अधूरे मन और निष्ठा से हम कोई भी कार्य करते हैं तो उसमें सफलता संदिग्ध हो जाती है। सफलता या ऊंचाइयों आप तभी पा सकते हैं, जब अपना काम करते हुए इस बात को नजरअंदाज कर दें कि इसकी वाहवाही किसे मिलेगी? हम तो मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च में जाकर भी अपने धनबल, बाहुबल या सत्ताबल के आधार पर लम्बी-लम्बी लाइनों के बजाय वीआईपी दर्शन करके लौट जाते हैं। क्या हमारा ईश्वर से मिलने का यह तरीका परिणामकारी हो सकता है? हम हमारी आस्था या भगवान के प्रति निष्ठा को सस्ता न बनने दें। हमें अपना हर सुख इस तरह भोगना चाहिए, जैसे हम सौ साल तक जीयेंगे, पर ईश्वर से रोजाना प्रार्थना एवं अपना काम ऐसे करना चाहिए, जैसे कल हमारी जिंदगी का आखिरी दिन हो। जब हम ईश्वर के प्रति और अपने उद्देश्यों-कार्यों के प्रति इतने पवित्र, जुझारू एवं परोपकारी बनकर प्रस्तुत होंगे तभी जीवन को सार्थकता तक पहुंचा सकेंगे। वैसे भी अमीर वह नहीं है, जिसके पास सबसे ज्यादा है, बल्कि वह है, जिसे और कुछ नहीं चाहिए। सच्चाई तो यही है कि जिसे और कुछ नहीं चाहिए वही सच्चे रूप में ईश्वर से साक्षात्कार की पात्रता अर्जित करता है। आप या तो इस बात पर सिर धुन सकते हैं कि गुलाब में कांटे हैं या इस पर खुश हो सकते हैं कि कांटों से भी गुलाब खिलते हैं। जब भी हम ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, किसी की मदद करते हैं अथवा कोई अच्छा कार्य करते हैं, अपने जीवन के कार्यों को अंजाम तक पहुंचाते हैं तो उससे अपने भीतर हम अपार संतोष महसूस करते हैं। तब वही भाव हमारे चेहरे और विचारों पर भी झलकने लगता है। इससे हमारे पूरे व्यक्तित्व में एक सकारात्मक परिवर्तन होता है। संतुष्टि और आनंद की अवस्था में व्यक्ति तनावमुक्त रहता है और इसलिए स्वस्थ रहता है। यह अवस्था मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ एक सफल एवं सार्थक जीवन की परिचायक है।

अभिनव प्रयासों से महिला अत्याचार, दुष्कर्म और पोक्सो मामलों में आने लगी है कमी

गोविन्द पारीक

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए अनेक अभिनव प्रयास प्रारम्भ किये गए हैं। इन विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जून माह तक महिला अत्याचार, दुष्कर्म और पोक्सो मामलों में कमी आई है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जून माह तक महिला अत्याचारों में 1.97 प्रतिशत दुष्कर्म की घटनाओं में 4.63 प्रतिशत और पोक्सो एक्ट के दर्ज प्रकरणों में 0.14 प्रतिशत की मामूली कमी आयी है।

दुष्कर्मियों को फांसी और आजीवन कारावास जैसी कठोर सजा मिलने के बावजूद हो रही दुष्कर्म की घटनाएं पूरे समाज के लिए गंभीर चिंतन का विषय है। राजस्थान में पोक्सो एक्ट के तहत गत ढाई वर्षों में 11 दुष्कर्मियों को फांसी, 181 दुष्कर्मियों को आजीवन कारावास, 345 दुष्कर्मियों को 20 वर्ष की सजा और 653 दुष्कर्मियों को अन्य कठोर सजा देने का निर्णय हो चुका है। फांसी और आजीवन कारावास जैसी गंभीर सजा के बावजूद अबोध बालिकाओं से दुष्कर्म की घटनाएं सभ्य समाज के लिए कलंक है। इन घटनाओं को रोकने के लिए सामाजिक राजनीतिक प्रशासनिक सभी स्तरों पर व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। प्रदेश में महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध होने वाले संवेदनशील प्रकरणों में गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित अनुसंधान के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष महिला अपराध अनुसंधान इकाईयां की गई है। इन इकाइयों द्वारा सतत एवं प्रभावी नियन्त्रण के प्रयास किये जा रहे हैं। संवेदनशील एवं गम्भीर प्रकरणों को केस ऑफिसर स्कीम में लेकर हर स्तर पर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। केस ऑफिसर स्कीम में न्यायालय में प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप अभियुक्तों को सजा की दर में भी आशातीत वृद्धि हुई है। अभियुक्तों को सजा की दर की दृष्टि से राजस्थान देश के अव्वल राज्यों में से एक है। पुलिस द्वारा महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के अनुसंधान को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। पोक्सो के मामलों में अनुसंधान में लगने वाला औसत समय वर्ष 2019 में 137 दिन से घटकर अब 57 दिन रह गया है। इसी प्रकार दुष्कर्म मामलो में औसत अनुसंधान समय वर्ष 2019 में 141 दिन से घटकर 54 दिन रह गया है। महिला अत्याचार प्रकरणों में औसत अनुसंधान समय वर्ष 2019 में 138 दिन से घटकर 56 दिन रह गया है। महिला अत्याचार, दुष्कर्म और पोक्सो प्रकरणों में झूठे प्रकरण दर्ज कराने की प्रवृत्ति देखने में आयी है। आपसी विवादों में बदला लेने की प्रवृत्ति के चलते झूठे मामले भी दर्ज कराए जा रहे हैं। अनुसंधान के बाद इस वर्ष जून माह तक महिला अत्याचार के कुल दर्ज मामलों में 44.41 प्रतिशत दुष्कर्म मामलों में 58.42 प्रतिशत और पोक्सो एक्ट के दर्ज प्रकरणों में 29.11 प्रतिशत प्रकरण झूंठे पाए गए। महानिदेशक पुलिस के विशेष निर्देश पर पोक्सो व दुष्कर्म के लंबित प्रकरणों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष पर्यवेक्षण किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अनुसंधान अधिकारी को निर्देशित कर लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निस्तारण करवाया जा रहा है। दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा के लिए राज्य स्तर पर टास्क फोर्स का गठन कर सघन पर्यवेक्षण किया जा रहा है। प्रदेश के 940 पुलिस थानों पर महिला हेल्पडेस्क का संचालन किया जा रहा है अधिकांश महिला हेल्प डेस्क पर महिला पुलिस कार्मिक पद स्थापित की गई हैं। महिला हेल्प डेस्क के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष बजट भी स्वीकृत किया गया है। प्रदेश में महिलाओं से संबंधित अपराधों के पंजीयन, शीघ्र अनुसंधान और त्वरित निस्तारण को दृष्टिगत रखते हुए कुल 44 महिला थाना संचालित किए जा रहे हैं। इन महिला थानों में प्राथमिकता से महिला थाना अधिकारियों को पदस्थापित किया जाता है। एक अन्य अभिनव पहल के तहत महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के साथ ही उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं स्थानीय पुलिस से प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए प्रारंभ की गई सुरक्षा सखी योजना अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। मार्च 2021 से प्रारंभ इस योजना के तहत जून 2023 तक 21 हजार 966 सुरक्षा सदस्यों का सुरक्षा सखियों का चयन किया जा चुका है। सुरक्षा सखी का दायरा बढ़ाने के लिए राजीविका एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी सुरक्षा सखी के रूप में जोड़ा गया है। पोक्सो एक्ट और दुष्कर्म के प्रकरणों में अनुसंधान की गुणवत्ता सुधारने एवं शीघ्र न्यायिक निर्णय के संबंध में संबंधित प्रकरणों की मॉडल केस स्टडी तैयार करवाई जा रही है, ताकि अन्य पुलिस अधिकारी भी मॉडल केस स्टडी के अनुरूप उचित कार्यवाही कर सकें। ऑपरेशन दिशा के तहत विशेष अभियान संचालित कर महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध अपराध की रोकथाम एवं जागरूकता के भी प्रयास किये जा रहे हैं। इस अभियान के तहत थानाधिकारियों ने अपने क्षेत्र के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पोक्सो एक्ट सहित बालिकाओं से संबंधित अन्य कानूनों की जानकारी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं में नारी सम्मान के महत्व को समझाने, लैंगिक समानता संबंधित विधिक जानकारी देने एवं महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग करने के लिए विशेष अभियान एक्शन अगेंस्ट वूमेन रिलेटेड क्राइम एंड अवेयरनेस फोर जस्टिस (आवाज) का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के 33 जिलों मे पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, विधि एवं पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए वन स्टॉप क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर फॉर वूमेन संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं उनकी सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया हैंडल्स द्वारा नो योर स्टूडेंट्स नो युवक पुलिस अर्थात अपने विद्यार्थियों को जाने और अपनी पुलिस को जाने, कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं को विषम परिस्थितियों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए समस्त जिलों में महिला शक्ति आत्मरक्षा केंद्रों का सफल संचालन किया जा रहा है। इन केंद्रों पर मास्टर ट्रेनर द्वारा महिलाओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रदेश के 40 जिलों में महिला पुलिस पेट्रोलिंग यूनिट स्थापित की गई है। महिला पुलिस पेट्रोलिंग यूनिट्स द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं से छेड़छाड़, चैन स्नैचिंग आदि घटनाओं की रोकथाम के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा गत 4 वर्षों के दौरान महिला सुरक्षा के लिए किए गए विभिन्न अभिनव प्रयासों के परिणाम अब दृष्टिगोचर होने लगे हैं। इस वर्ष जून माह तक गत वर्ष की तुलना में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में आई कमी एक सकारात्मक संकेत है। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस के निरन्तर प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है।

मोहब्बत के दुश्मन बन गए हैं ये तमाम रोग...

चैतन्य भट्ट

पता नहीं इन रोगों को प्यार करने वालों से क्या नफरत है, बेचारे मोहब्बत वाले ना किसी के लेने में होते हैं ना किसी के देने में । अपने अपने आशिक और महबूबा की सोच में डूबे रहते हैं लेकिन कुछ रोगों ने इन लोगों को ऐसी अड़ी पटकी है कि ये आशिक और महबूबा एक दूसरे के पास तक आने में डर रहे हैं । पहले कोरोना क्या आया डाक्टरों ने साफ मना कर दिया कि खबरदार जो किसी को गले लगाया, किसी से हाथ मिलाया, जो प्रेमी प्रेमिका किसी बाग बगीचे में एक दूसरे के गले में गलबहियां डालें अपने अपने इश्क का इजहार करते थे उन पर ऐसी बंदिश लगाई इस कोरोना ने कि एक दूसरे को गले लगाना तो दूर एक दूसरे से दो मीटर की दूरी पर बैठकर भी अपने इश्क का इजहार करना कठिन हो गया था, उस पर एक और जुलुम कि मुंह पर मास्क लगाए रहो यानी सामने वाला क्या बोल रहा है ये तक समझ में नहीं आता था उधर सरकार ने घर से निकलने पर रोक लगा दी थी एकमात्र सहारा बचा था वो था मोबाइल ।खैर किसी तरह दो साल एक दूसरे के लिए तड़पते रहे आशिक और महबूबा को उस वक्त राहत मिली जब कोरोना यहां से रुखसत हुआ, लेकिन अब एक नया रोग पैदा हो गया है कंजेक्टिवाइटिस देखते ही देखते आंखों में इंफेक्शन होता है ,आंखें सूजकर डबल हो जाती है, आंखों से लगातार पानी गिरता रहता है खूब जलन होती है, इसका भी सबसे ज्यादा असर मोहब्बत करने वालों पर हुआ दूर से ही एक दूसरे को देख कर आंख से आंख मिलाकर वे अपने मन की इच्छा पूरी कर लेते थे लेकिन अब डॉक्टरों ने साफ-साफ चेतावनी दे दी है कि एक दूसरे से आंख मिलाना तो दूर एक दूसरे की तरफ देखना तक नहीं है, जबकि आंख मिलाना,आंखे झुकाना, आंखें चुराना, ये तमाम प्रक्रियाएं मोहब्बत में ही होती हैं इसलिए फिल्मी गीतकारों ने आंखों पर तमाम गीत भी लिखे हैं कोई दीवाना अपनी महबूबा के लिए जा रहा है तेरी आंखों के सिवा इस दुनिया में रखा क्या है तो दूसरे भाई साहब कह रहे हैं आंखों आंखों में हम तुम हो गए दीवाने लगता है गीतकारों ने कंजेक्टिवाइटिस के बारे में बहुत पहले सोच लिया था इसलिए एक नायिका का अपने नायक से बिछड़ कर गा रही थी नैना बरसे रिमझिम रिमझिम एक नायिका इसका भी आनंद उठा रही है और कह रही है अखियां चुराऊं कभी अखियां मिलाओ क्या तूने किया जादूएक बहुत पुरानी मशहूर फिल्म थी सी आई डी जिसमे नायक गाता है आंखों ही आंखों में इशारा हो गया बैठे बैठे जीने का सहारा हो गया एक और गाना बड़ा मशहूर हुआ जो शमशान घाट को छोड़कर हर जगह बजता था कजरारे कजरारे तेरे कारे कारे नैना एक नायिका का कहना था अँखियों के झरोखों से जो देखा रे सांवरे बड़ी दूर तलक नजर आए सुपर स्टार राजेश खन्ना ने भी हीरोइन के लिए ये शब्द कहे थे गुलाबी आंखें जो तेरी देखी दीवाना ये दिल हो गया और सबसे खूबसूरत गीत आंखों पर ये भी था आपकी आंखों में कुछ महके हुए से ख्वाब है आंखों पर तो पूरी पूरी फिल्में भी बन चुकी है जैसे आंखें ,आंखों आंखों में ,दो आंखें बारह हाथ, लेकिन जब से ये कंजेक्टिवाइटिस फैला है तब से सबसे मुफीद गाना ये ही बैठता है।

नैन से नैन नाही मिलाओ
देखत सूरत आवत लाज,
सैय्यां

ये कैसा गणित

प्रदेश के मुख्यमंत्री मामा जी ऊर्फ शिवराज सिंह जी चौहान कह रहे हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में हम मध्य प्रदेश में दो सौ सीटें जीतने वाले हैं वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के भावी मुख्यमंत्री बताए जाने वाले कमलनाथ जी कह रहे हैं कि हम डेढ़ सौ सीटें जीत जाएंगे ,बड़े-बड़े गणितज्ञ इन दोनों नेताओं के गणित से परेशान हैं कि आखिर इस तरह का गणित ये दोनों नेता लाए कहां से हैं और इसके पीछे कारण सिर्फ इतना ही है कि मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल जमा दो सौ तीस सीटें हैं और मामा जी और कमलनाथ का गणित जोड़ लिया जाए तो ये सीटें तीन सौ पचास हो जाती है अब ये एक सौ बीस सीटें अतिरिक्त कौन सी हैं, कहां से आने वाली है ये किसी को मालूम नहीं मैथमेटिक्स में पीएचडी करने वाले भी माथापच्ची कर रहे हैं कि दो सौ सीटों में यदि चुनाव होता है तो एक पार्टी को दो सौ और दूसरी पार्टी को डेढ़ सौ सीटें कैसे मिल सकती हैं लेकिन ये पीएचडी धारी भले ही मैथमेटिक्स में कितने ही होशियार क्यों ना हो लेकिन मुंह चलाने में इन नेताओं से मुकाबला नहीं कर सकते । जनता, आम मतदाता भी हलाकान हैं कि कहीं ऐसा तो नहीं कि उनकी विधानसभा चार पांच विधानसभाओं में बंट गई हो और उसी आधार पर बीजेपी दो सौ और कांग्रेस डेढ़ सौ सीटें जीतने की बात कर रही हो । चुनाव आयोग भी अपने अधिकारियों से इस बात का पता लगाने के लिए कह रहा है कि जो नेता लोग कह रहे हैं कि हम इतनी इतनी सीटें जीत जाएंगे इनके बारे में पता तो लगाओ ,खुफिया विभाग भी इस बात का पता लगाने में जोर-शोर से जुट गया है कि ये अतिरिक्त एक सौ बीस सीटें अभी तक कहां छुपी पड़ी थी जिनके बारे में ना तो उन्हें पता था ना चुनाव आयोग को और ना ही आम मतदाता को। देखना ये है कि जब चुनाव का परिणाम आएगा तब किसको कितनी सीटें मिलती हैं तब उनसे कोई नहीं यह पूछेगा कि भाई साहब आप लोगों ने तो तीन सौ पचास सीटों का गणित बतलाया था अब दौ सौ तीस पर कैसे सिमट गए।

कारों का मोटापा

अभी तक तो लोग बाग अपने शरीर के मोटापे से चिंतित और परेशान रहते थे ,ना जाने कितने जतन करते थे कि शरीर में चढ़ी हुई चर्बी पिघल कर उन्हें एकदम स्लिम ट्रिम बना दे,हजारों लाखों रुपए खर्च किए जाते थे कि ये मोटापा किस तरह से हट जाए कोई लाइपोसेक्शन से मोटापा घटाने की कोशिश करता था तो कोई बाएर्ट्रिक सर्जरी से अपने आप को पतला और दुबला बनाने के लिए अस्पताल में भर्ती हो जाता था, लेकिन फ्रांस की राजधानी पेरिस का प्रशासन और फ्रांस की सरकार कारों के मोटापे से परेशान हैं साठ फीसदी लोगों ने बड़ी-बड़ी गाड़ियां खरीद लीं हैं जितनी जगह में दो कारें आ जाती थीं उतने में एक भी कार खड़ी नहीं हो पा रही ऐसे में पार्किंग का संकट भी खड़ा हो गया है, सरकार इस बात का प्रयास कर रही है कि लोग बाग अपने शरीर की तरह दुबली पतली छोटी गाड़ी खरीदें,लेकिन लोग कहां मानने वाले हैं ,इन बड़ी गाड़ियों के चक्कर में पार्किंग का शुल्क दोगुना कर दिया गया है । पेरिस के प्रशासन की लोगों से एक ही अपील है कि भैया लोगों जैसे अपने शरीर को स्लिम ट्रिम रखना चाहते हो वैसे ही अपनी कारों को भी स्लिम ट्रिम रखो वरना कुछ दिन में आपको अपनी मोटी ताजी कार रखने के लिए पार्किंग की जमीन भी नसीब नहीं हो पाएगी ।

कप्तानगंज चीनी मिल प्रबन्धन पर किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर न कराने पर हो एफआईआर : रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिलाध्यक्ष के अगुवाई में किसानों ने जिला मुख्यालय पर सूबे के मुख्यमन्त्री से सम्बोधित ज्ञापन मोहम्मद जफर, उपजिलाधिकारी को सौपते हुए अवगत कराया है कि, जनपद के कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान करोड़ों में बकाया है जिसको दिलाने के लिये भाकियू (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में किसान लगातार शासन प्रशासन से माँग कर रहे है। किसानों के गन्ने का भुगतान समय से नही होने के वजह से कप्तानगंज चीनी मिल को विगत पेराई सत्र में बन्द करना पड़ा। कप्तानगंज क्षेत्र के किसानों के गन्ने का भुगतान विगत दो वर्षों से नही होने के वजह से भुखमरी के कगार पर पहुँच चुके है। किसानों के आय का एक मात्र साधन गन्ना

है और इसी के सहारे किसान अपने बच्चों की पढ़ाई,लिखाई के साथ साथ घर की अन्य सभी जरूरतों को पूरा करता है। इस महँगाई के जमाने मे किसानों के गन्ने का भुगतान नही होना उनके परिवार की जीविका चलाने में भी अत्यन्त बाधक सिद्ध हो रहा है। जनपद कुशीनगर के कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान 77 करोड़, 12 लाख, 61 हजार बकाया होने के वजह से जिला प्रशासन ने चीनी मिल को दो बार नोटिस जारी किया कि, किसानों के गन्ने का भुगतान मिल प्रबन्धन द्वारा जल्द से जल्द किया जाए मगर उसके बाद भी मिल प्रबन्धन द्वारा किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं हो सका, परिणाम स्वरूप कप्तानगंज तहसील के तहसीलदार द्वारा चीनी मिल की सभी गेटों को सील कर दिया गया परन्तु जिला प्रशासन द्वारा मिल मालिक / दोषियों के विरूद्ध मुख्यमन्त्री के नीति के अनुरूप एफ० आई० आर० दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नही किया गया? भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिला अध्यक्ष रामचन्द्र सिंह शासन प्रशासन से जानना चाहते हैं कि, कप्तानगंज चीनी मिल का सभी गेट सील तो हो गया मगर किसानों को गन्ने का भुगतान उनके खाते में कब जाएगा? और मिल मालिक / दोषियों के विरूद्ध एफ० आई० आर० दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कब किया जाएगा? उसे सार्वजनिक करें। अन्त में जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से बताया है कि, यदि 15 दिन के अन्दर कप्तानगंज चीनी मिल का सम्पूर्ण भुगतान किसानों के खाते में नही भेजवाया गया और मिल मालिक / दोषियों के विरूद्ध एफ० आई ० आर० दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नही किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर कप्तागंज चीनी मिल पर जो किसानों के गन्ने का भुगतान बकाया है उसे कराने, लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलाने की माँग के साथ साथ अन्य किसानों की समस्याओं को लेकर एक बृहद अनवरत किसान आन्दोलन करने पर वाध्य होगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।इस मौके पर राजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी, जिला सचिव, चेतई प्रसाद, सोहन सिंह, रामविलास, रामपति, मुन्ना प्रसाद, मुनेसर, शम्भू सिंह, गामा प्रसाद के साथ साथ अन्य कार्यकर्ता व किसान मौजूद रहे।

बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट अखिलेश कुमार का विश्राम राय पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर ने किया भव्य स्वागत

प्रखर आजमगढ़। न्यायपीठ बाल कल्याण समिति आजमगढ़ को 2वर्ष कार्यकाल पूर्ण करने के उपलक्ष्य में न्यायपीठ के श्री अखिलेश कुमार सिंह-बेन्च ऑफ मजिस्ट्रेट का बाबू विश्राम राय पब्लिक स्कूल बीबी पुर कदीम आजमगढ़ के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रदीप राय द्वारा भव्य सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया गया, विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमती दिब्या राय व मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रदीप राय कार्यक्रम के संयोजक चर्चित समाजसेवी श्री संजय पांडे,की उपस्थिति में बेन्च ऑफ मजिस्ट्रेट श्री अखिलेश कुमार सिंह ने 2वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर केक काटकर कार्यक्रम की शुभारंभ किया। श्री प्रदीप राय ने माल्यार्पण कर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए कहा कि श्री अखिलेश कुमार सिंह के स्वभाव में ही समाज सेवा है, उसी के अनुरूप प्रदेश सरकार ने न्यायपीठ बाल कल्याण में बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट के पद पर आसीन किया है , जिस तरह

से उत्तर प्रदेश सरकार ने विश्वास किया उसी तरह से शानदार कार्य करने की क्षमता आप मे है, सराहना करते हुए कार्यक्रम के संयोजक श्री संजय पांडे का माल्यार्पण व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। श्री पांडे जी ने कहा कि मजिस्ट्रेट साहब के स्वभाव में शालीनता है, आप ने साहित्यकारों व कवियों को हमेशा सम्मानित किया है, शोषित व असहाय की हमेशा मदद करते रहते है। मुख्य अतिथि श्री अखिलेश कुमार सिंह ने बच्चो के अधिकार व अभिभावक माता-पिता के महत्व को बताते हुए , बच्चों का जब भी शोषण होता है उनके सर्वोत्तम हित पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास रहता हैक बच्चो के बीच चॉकलेट बाटकर, भारतीय संस्कृति पर बल देते हुए उत्साहवर्धन किया, अंत मे विद्यालय परिवार के मेहनत और कर्मठता पर प्रशंसा करते हुए विद्यालय के दिनों दिन प्रगति हो मंगल कमना किया। तथा विद्यालय परिवार को हृदय से आभार प्रगट किया।

टेबल टेनिस चैम्पियनशिप - 2023 का भव्य समापन समारोह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल के इन्द्रधनुष सभागार में पिछले दो दिनों से चल रही जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2023 का भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ ` कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दीपक बहल (अध्यक्ष, टेबल टेनिस एसोसिएशन वाराणसी) ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ायी इस प्रतियोगिता में स्कूल एवं एकेडमी सहित लगभग 25 संस्थानों से 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में वाराणसी टेबल टेनिस एसोसिएशन की सचिव सरिता विश्वनाथ गोकर्ण की उपस्थिति खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रेरणादायी रही अण्डर -17 एवं

अण्डर-19 गर्ल्स तथा वुमेंस सिंगल सहित सभी प्रतिस्पर्धा में अनोखी केसरी ओवर आल चैंम्पियन बनीं तथा अण्डर -17 एवं अण्डर -19 में तरून कुमार विजेता घोषित हुए पधारे गणमान्य मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं उन्हे खेल की बारीकियों से अवगत कराया ` संस्था सचिव राहुल सिंह एवं निदेशिका डॉ. वन्दना सिंह ने सभी खिलाड़ियों को वास्तविक खेल भावना का अनुपालन करते हुए जीवन में पूर्ण समर्पण के साथ विजय हासिल करने की शुभकामना प्रदान की संस्था की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह जी ने आगत सभी खेल प्रशिक्षकों एवं अभ्यागतों के प्रति विशेषकृतज्ञता ज्ञापित की।

सीएम योगी के बयान पर गाजीपुर में राजनीति गर्म विपक्षी नेताओं ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान इस समय चर्चा में है। गाजीपुर के राजनीतिक गलियारे में विपक्षी नेता कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे है। वहीं भारतीय जनता पार्टी से जुड़े समर्थक नेता बयान को सही बता रहे हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने ज्ञानवापी को मस्जिद कहे जाने पर नाराजगी व्यक्ति की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसे मस्जिद कहा जाएगा तो विवाद होगा, मस्जिद के अंदर त्रिशूल से लेकर देव प्रतिमाएं हैं। यह सब मस्जिद में कहां से आए। इन्हें किसी ने वहां पर नहीं रक्खा है। मुख्यमंत्री ने इसे एक ऐतिहासिक गलती करार दिया है। जिस पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि मामला न्यायालय में चल रहा है तो उस पर ही छोड़ देना चाहिए। न्यायालय का निर्णय सर्वोपरि है। बीजेपी अधिकतर चुनाव से पहले इस तरह के हथकंडे अपनाती रही है। इन चीजों को न्यायालय पर छोड़ते हुए जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। वहीं समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष गोपाल यादव ने योगी के बयान पर कहा कि आज किसान न देते हुए हिंदू मुस्लिम की बातें चुनाव से पहले करना बीजेपी की पुरानी परंपरा है। ज्ञानवापी मसले पर जांच चल रही है। मामला न्यायालय पर छोड़ जाना चाहिए। इसी प्रकार उठाकर राजनीति की रोटियां सेकना चाहते हैं। इन लोगों को जनता के मूलभूत समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। वही मुहम्मदाबाद के पूर्व विधायक कृष्णा नन्द राय के पुत्र और

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील राम

सपा विधायक वीरेंद्र यादव

पीयूष राय

सूखे की मार झेल रहा है। बारिश न होने से खेती बारी चौपट हो रही है। नहरों में पानी नहीं है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की वजह से खेतों में पानी नहीं दिया जा पा रहा है। ऐसे आधारभूत समस्याओं की ओर ध्यान जंगीपुर विधानसभा के समाजवादी पार्टी विधायक डॉ0 वीरेंद्र यादव ने योगी के बयान पर कड़ी आपत्ति करते हुए कहा चुनाव आते ही भाजपा के लोग राजनीतिक स्टंटबाजी में जुट गये है। हिंदू मुस्लिम के मुद्दों को भाजपा नेता पीयूष राय ने समर्थन करते हुए कहा की जांच में जो चीजे मिल रही हैं उसे यह साफ है की विशेष समुदाय के द्वारा गलतियां की गई हैं। अगर गलतियां हुई हैं तो अफसोस जताना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदु महासभा ने किया पौधरोपण

प्रखर वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदुमहासभा ने पौड़ी गढ़वाल के यम्केश्वर ब्लॉक स्थित ऋषिकेश बैराज में किया पौधारोपण` एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के प्रांगण में वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया अंतर्राष्ट्रीय हिंदु महासभा के प्रदेश महासचिव संपूर्णा नंद पाण्डेय के बेटे विवेकानंद पाण्डेय के जन्मदिन के अवसर पे हुआ पौधारोपण` पौधारोपण का मुहिम बहुत ही शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है स्वतंत्रता दिवस तक ये मुहिम चलेगा मोहित नवानी संसदीय बोर्ड के चेयरमैन एवं अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के सुप्रीमो एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ महामंत्री भारतीय जनता पार्टी दिव्यांग प्रकोष्ठ उत्तराखंड एवं प्रदेश स्तरीय सदस्य 20 सूत्री कार्यक्रम उत्तराखंड सरकार एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं जिला पंचायत सदस्य आरती गौड एवं समाजसेवी एवं पर्यावरणविद विनोद जुगलान एवं स्थानीय प्रधान संगठन के पदाधिकारीगण एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शुभम गुप्ता एवं नगर अध्यक्ष हरिद्वार एवं राज्य आंदोलनकारी सुरेंद्र सैनी एवं समाजसेवी विनय कुमार आदि लोग उपस्थित हुए।

मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्धि गोस्वामी तुलसीदास से कम नहीं : डा. प्रमोद कुमार अनंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की 143वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महासभा के जिला उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव जी के चकदराब स्थित आवास पर विचार गोष्ठी एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व महासभा के सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया और समाज में व्याप्त कुरीतियों और कुप्रथाओं के खिलाफ संघर्ष करने का संकल्प लिया।

बतौर मुख्य वक्ता सहजानंद डिग्री कालेज के हिंदी के प्रवक्ता डॉ प्रमोद कुमार अनंग ने गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आदर्शोन्मुख यथार्थवाद के रचनाकार मुंशी प्रेमचंद जी ने भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया था। वे न केवल ग्रामीण समाज के कुशल चित्रकार थे वरन नगरीय समाज की भी उन्हें अच्छी समझ थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को जिस तरह से परखने , समझने और समाधान तक जाने की बागडोर अपने हाथ में ली वह अनुकरणीय है । हिंदी रचनाकारों में जितनी प्रसिद्धि गोस्वामी तुलसीदास जी की है उससे कहीं कम मुंशी प्रेमचंद की नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में जो काम गांधी जी ने आंदोलन करके किया वहीं काम मुंशी जी साहित्य में लिखकर करते रहे। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जी जो जिए वही रचा । प्रेमचंद जी के पात्र ज्यादा निम्न वर्ग के ही थे। उनके उपन्यासों में रोटी गुंजती है। मुंशी जी को बहुत से लोग गांधीवादी, मार्क्सवादी या आर्यसमाजी मानते थे लेकिन उनका कहना था कि जिससे निम्न वर्ग का भला हो, उनके जीवन स्तर में सुधार आयें मैं उसी वाद से प्रभावित हूं। गोष्ठी में अपने विचार रखते हुए महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने मुंशी प्रेमचंद जी के व्यक्तित्व एक कृतित्व की चर्चा करते हुए कहा कि मुंशी जी का रचना संसार बहुत ही विस्तृत और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियां और उपन्यास समाजिक यथार्थ से जुड़ी हुई थी। उनकी रचनाएं सामाजिक मुद्दों पर समाज में एक नई चेतना लाना चाहती थी । उनकी कृतियां समाज में व्याप्त कुरीतियों और कुप्रथाओं और

तत्कालीन समस्याओं के खिलाफ एक नई बहस चलाना चाहती थी जिसके पीछे मुंशीजी का एक एक मात्र उद्देश्य था सामाजिक परिवर्तन? करना। उन्होंने समाज की तत्कालीन समस्याओं को अपनी कहानियों और उपन्यास का विषय बनाया। उन्होंने अपनी हर रचना में किसी न किसी समस्या को अपना लक्ष्य बनाया। जैसी उन्होंने अपने उपन्यास सेवा सदन में वेश्याओं, प्रेमाश्रय में किसानों की, निर्मला में दहेज और बेमेल शादियों की, रंगभूमि में शासक और अधिकारी वर्ग के अत्याचारों की, कर्मभूमि में अछूत और हरिजनों और गोदान में किसान-मजदूर के शोषण जैसी समस्याओं पर अपनी लेखनी चलाकर समाज में नई चेतना पैदा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मुंशी जी की कृतियां हमेशा जनमानस के बीच जीवित रहेगी। इनकी कृतियां हर काल खंड में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराती रहेगी। हमें आज भी मुंशीजी से प्रेरणा लेकर तत्कालीन समस्याओं और समाज में व्याप्त कुरीतियों और कुप्रथाओं के खिलाफ संघर्ष करना होगा यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महासभा के प्रान्तीय उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि वह हिंदी साहित्य के महान लेखक ही नहीं वह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे । स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने ब्रिटानी हुकूमत के खिलाफ जमकर कलम चलायी । वह हमेशा समाज में व्याप्त कुरीतियों, कुप्रथाओं के खिलाफ संघर्ष करते रहे । वह साहित्य को सच्चाई के धरातल पर उतारने वाले लेखक थे । वह अपने लेखनी से सदैव समाज में व्याप्त गैरबराबरी समाप्त कर समतामूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्षरत रहे । आज जब देश में जाति और धर्म के नाम पर नफरत फैलाने की कोशिश हो रही है ऐसे दौर में मुंशी प्रेमचंद जी आज भी प्रासंगिक हो उठे हैं ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सेन्ट्रल बार संघ गाजीपुर के महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, शशिकांत श्रीवास्तव, अरूण कुमार श्रीवास्तव उर्फ चुन्नू, केशव श्रीवास्तव, विपिन बिहारी वर्मा, संतोष श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, गोविंद प्रसाद श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, शिवप्रकाश लाल, वीरेंद्र श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, परमानन्द श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, कमल प्रकाश श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, रोशन श्रीवास्तव, अर्पित श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, ज्योत्स्ना श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया। इस गोष्ठी के संयोजक महासभा के जिला उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत मजदूर पंचायत उ0प्र0 का प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य अभियंता वाराणसी क्षेत्र ई0 ए0पी0 शुक्ला का किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मुख्य अभियंता वाराणसी क्षेत्र ई0 ए0पी0 शुक्ला का स्वागत करते हुए विधुत मजदूर पंचायत उ0प्र0 का प्रतिनिधि मंडल जिसमें मुख्यतः डॉ0आर0 बी0 सिंह प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री, ओ0पी0 सिंह प्रांतीय अतिरिक्त महामंत्री, जिउतलाल प्रदेश मंत्री, विजय सिंह प्रांतीय मंत्री एवं जिलाध्यक्ष, गुलाब चंद मण्डल उपाध्यक्ष, अमितानंद त्रिपाठी खंडीय अध्यक्ष, संतोष कुमार खंडीय अध्यक्ष, विकाश कुशवाहा मण्डल मंत्री चंदौली, अंकुर पाण्डेय मीडिया प्रभारी एवं अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स के द्वीतीय इंस्टॉलेशन का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स के द्वीतीय इंस्टॉलेशन का भव्य आयोजन महमूरगंज स्थित संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सदस्यों के बच्चों आर्या, शनाया एवं आरना द्वारा गणेश वंदना से किया गया` तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटेरियन सुनील बंसल , डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 एवं डिस्ट्रिक्ट तथा संस्था के अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी पदाधिकारियों, अतिथियों एवं सदस्यों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगान किया गया तथा दीप प्रज्वलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया` संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन कुशाग्र अग्रवाल ,सचिव रोटेरियन रितेश टीबड़ेवाल तथा कोषाध्यक्ष रोटेरियन अभिनव पाण्डेय को मुख्य अतिथि द्वारा रोटरी पिन पहनाकर पदस्थापित किया गया` इसके पश्चात संस्था के अन्य पदाधिकारियों को अध्यक्ष कुशाग्र अग्रवाल ने रोटरी पिन पहनाकर पद भार ग्रहण करवाया` इसके साथ ही क्लब में 13 नए सदस्यों को क्लब असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन शिशिर उपाध्याय एवं जीएसआर रोटेरियन संजय गुप्ता द्वारा रोटरी किट एवं पिन प्रदान कर रोटरी की सदस्यता दी गई सत्र 2022-23 के सचिव रोटेरियन गर्वित चहरिया ने पिछले वर्ष के समस्त कार्यक्रमों के बारे में वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार में बताया सत्र 2022-23 के अध्यक्ष रोटेरियन तन्मय जैन ने संस्था के सभी सदस्यों तथा डिस्ट्रिक्ट के पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए उस सत्र को एक अभूतपूर्व और यादगार अनुभव बताया` नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन कुशाग्र अग्रवाल ने बताया कि रोटरी क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करते रहना है रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स के अध्यक्ष के रूप में इसी दिशा में निरंतर कार्य करते रहने के प्रण के साथ आगामी वर्ष के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया` जीएसआर रोटेरियन संजय गुप्ता ने अपने संबोधन में रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 का सबसे युवा क्लब बताते हुए आगामी पूरे वर्ष में जोश के साथ समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया` क्लब असिटेंट गवर्नर रोटेरियन शिशिर उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा की रॉयल्स के रूप में पूरे डिस्ट्रिक्ट को नई ऊर्जा मिली है और सदैव क्लब के कार्यक्रमों में अपने सहयोग का वादा किया` डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सुनील बंसल ने अपने संबोधन में रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स के पदाधिकारियों तथा सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें रोटरी के ऊंचे मापदंडों को ध्यान में रखते हुए सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम करने के लिए प्रेरित किया धन्यवाद प्रकाश रोटेरियन रितेश टीबड़ेवाल ने किया` कार्यक्रम संजोयक रोटेरियन अक्षत अग्रवाल तथा रोटेरियन शाश्वत खेमका रहे कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन अक्षत अग्रवाल तथा रोटेरियन रितेश माहेश्वरी ने किया` कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दीपक माहेश्वरी, निशांत नेवर, शैली सेठ, सौरभ शाह, मनोज खन्ना, पुलकित रस्तोगी, सौरभ लड्ढा, अंकित जाजोदिया, आलोक पिपलानी, शिशिर नागर, स्तुति अग्रवाल, शोभिता जैन सहित रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3120 के पदाधिकारीगण, वाराणसी नगर के अन्य रोटरी चैप्टर्स के पदाधिकारीगण एवं संस्था के 80 से अधिक सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे।

अप्रेंटिस मेला आयोजन कल

चंदौली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रेवसा चंदौली के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने अवगत कराया कि दिनांक 31 जुलाई 2023 को संस्थान में अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण समस्त व्यवसायों के युवक और युवतियों जो कि सरकारी या निजी कार्यालय आदि स्थानों में अप्रेंटिसशिप करना चाहते हैं और जो अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकृत हैं वे उक्त तिथि को सुबह 10:30 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चंदौली में अपने सभी प्रमाण पत्र, फोटो आदि के साथ पहुंचे एवं जो अभ्यर्थी अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकृत नहीं किए हैं वह भारत सरकार के वेब पोर्टल www.Apprenticeahipindia.org पर अपना पंजीकरण करने के उपरांत अप्रेंटिस मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

स्वास्थ्य शिक्षा और हुनर के लिये बनवासी बच्चों को किया जागरूक

सकलडीहा चंदौली। उद्गम जन कल्याण संस्था द्वारा शनिवार को बहरवानी और बेलवानी गांव के बनवासी बस्ती में स्वास्थ्य शिक्षा और हुनर के लिये बनवासी बच्चे और अभिभावकों को किया जागरूक किया। इस दौरान उन्हें रोजगार परक कार्य के लिये प्रेरित किया। संस्था के पहल का ग्रामीणों ने सराहना किया। बनवासी बस्ती में आज भी बच्चे और अभिभावक शिक्षा, स्वास्थ्य तथा मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। इस क्रम में उद्गम जन कल्याण संस्था द्वारा विगत लम्बे समय से वनवासी समुदाय को शिक्षा, स्वास्थ्य तथा हुनर विकास के प्रति समुदाय को जागरूक करने का पहल शुरू किया है। इस क्रम में बहरवानी और बेलवानी बनवासी बस्ती में संस्था द्वारा समुदाय मे फ्री कोचिंग चला कर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। बनवासी बच्चों, किशोरियों तथा अभिभावकों के साथ जारूकता रैली निकल कर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। बच्चों को स्कूल जाने हेतु प्रेरित किया गया। इस बाबत संस्था के संस्थापक सुजीत कुमार ने बताया कि मुसहर समाज के विकास में अशिक्षा सबसे बड़ा बाधक है। अशिक्षित होना एक बीमारी के समान है । शिक्षा ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास करता है। इस मौके पर अनीता, संभा यादव,ऋषि कुमार आदि उपस्थित रहे।

सुपरस्टार पापा के फ्लॉप बेटे साबित हुए महाअक्षय

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज कलाकारों में शुमार मिथुन चक्रवर्ती ने सफलता की तमाम सीढ़ियां चढ़ीं, लेकिन उनके बेटे महाअक्षय चक्रवर्ती यानी मिमोह चक्रवर्ती अपने पिता जितनी कामयाबी हासिल नहीं कर सके। यहां तक कि नाम बदलना भी उनके काम नहीं आया। 30 जुलाई 1984 के दिन मुंबई में मिथुन चक्रवर्ती और योगिता बाली के घर जन्मे महाअक्षय का असली नाम मिमोह चक्रवर्ती है। बता दें कि महाअक्षय को एक्टिंग का ककहरा बचपन से ही सीखने को मिलने लगा था। उनके पापा मिथुन अपने जमाने के सुपरस्टार रहे तो मां योगिता बाली ने भी तमाम फिल्मों में अपनी अदाकारी के जलवे दिखाए थे।

हॉलीवुड मसाला

6 लाख में बनी फिल्म छापे 800 करोड़

मुंबई। पिछले कुछ बरसों में, ऐसी कई कम बजट वाली फिल्में आई हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से बढ़कर सफलता हासिल की। भारत और विदेशों दोनों में, कई छोटे बजट की फिल्में ब्लॉकबस्टर बन गई हैं, जो बड़े बजट और स्टार्स वाली फिल्मों को समय-समय पर टक्कर देती आ रही हैं। साल 2007 में रिलीज हुई इस फिल्म का नाम 'पैरानॉर्मल एक्टिविटी' था। इसे ओरेन पेली ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी को भी लिखा था।

लाइफ Style

कंगना

'डेटिंग के लिए मेरे आगे गिड़गिड़ाया था..'

कंगना रनौत और ऋतिक रोशन के अफेयर ने खूब चर्चाएं बटोरी थीं बाद में दोनों का विवाद कोर्ट तक भी पहुंचा। हालांकि इन सब से दूर अब फिर कंगना ने इस कथित अफेयर का खुलासा किया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

जब किसी ने कंगना से पूछा कि कोई शख्स ये दिखावा करके लोगों को ठग रहा है कि वो कंगना का रिप्रजेंटिव है। इस पर एक्ट्रेस ने कई पोस्ट के माध्यम से लोगों को बताया कि उन्हें भी एक बार किसी ने ये दिखावा करके ठग लिया था कि वो ऋतिक रोशन है। कंगना रनौत ने एक और एक्टर को घसीटा (बिना नाम लिए) और कहा कि वो डेट करने के लिए उनके आगे गिड़गिड़ाए थे। कंगना रनौत ने लिखा, एक और सुपरस्टार जो वुमेनाइजर के तौर पर जाना जाता है, मेरे घर पर आया और मुझसे उसके साथ डेट करने के लिए रिक्वेस्ट करने लगा। कंगना ने लिखा कि वो अलग-अलग नंबरों से उनसे बातें करने की कोशिश करते हैं। कंगना ने अपनी इंटाग्राम स्टोरी में पोस्ट किया, फिल्म माफिया हमेशा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है, जिस सुपरस्टार को मैंने डेट किया था, उसने बाद में खुलासा किया कि मैं उसके धोखेबाज को डेट कर रही थी। वो मुझसे चैट करने के लिए अलग-अलग नंबरों और अकाउंट्स का इस्तेमाल करता था, उसने मेरा अकाउंट भी हैक कर लिया। गलत तरीके से इसे चलाया, मुझे लगा कि तलाक ले रहे हैं, लेकिन बाद में मुझे पता चला कि उनका इन सब से कोई लेना देना नहीं था।

लाइव कॉन्सर्ट में मशहूर सिंगर पर फेंकी गई ड्रिंक

लॉस एंजिलस। लाइव कॉन्सर्ट में अकसर फैंस स्टार्स के साथ कुछ ऐसा कर देते हैं, जिससे अजीबोगरीब स्थितियां पैदा हो जाती हैं। हाल ही में मशहूर रैपर कार्डी बी के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ। एक म्यूजिक कार्यक्रम में एक शख्स ने कार्डी बी पर ड्रिंक फेंक डाली। लेकिन कार्डी बी ने तुरंत इसका ऐसा जवाब दिया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कॉन्सर्ट के दौरान किसी शख्स ने भीड़ में से कार्डी बी के चेहरे पर ड्रिंक फेंकने की कोशिश की। कार्डी बी ने गुस्से में तुरंत रिएक्शन दिया और अपना माइक्रोफोन भीड़ में खड़े शख्स के चेहरे पर फेंककर मारा। बताते चलें कि कार्डी बी अपने हिट गाने होडक येलो पर परफॉर्म कर रही थीं।

किन्नर अवतार में उड़ाया गर्दा...

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दीवा और दमदार एक्ट्रेस सुष्मिता सेन लगातार शोबिज में एक्टिव हैं। एक्ट्रेस ओटीटी से लेकर बड़े पर्दे पर खूब धमाल मचा रही हैं। आर्या जैसी ब्लॉकबस्टर वेब सीरीज के बाद अब सुष्मिता सेन अपकमिंग सीरीज 'ताली' को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म एक बायोपिक है। इसमें एक्ट्रेस फेमस ट्रांसजेंडर और एक्टिविस्ट गौरी सावंत की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सुष्मिता पहले ही इस फिल्म का पोस्टर रिलीज कर चुकी थीं। इसमें एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक खूब वायरल हुआ था। अब 'ताली' का टीजर रिलीज हुआ है जिसमें कहानी की एक झलक देखने को मिली है। सुष्मिता सेन स्टारर 'ताली' के टीजर के साथ इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा की गई है। मेकर्स के मुताबिक, ये फिल्म भी अगले महीने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को रिलीज होगी।

18 साल पहले शादी अब ले रहे तलाक

मुंबई। फरदीन खान ने अपनी एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है, लेकिन फिलहाल उनकी पर्सनल लाइफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में फरदीन खान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि फरदीन काफी समय से अपनी पत्नी नताशा माधवानी से अलग रह रहे हैं। अब दोनों के बीच दूरियां इतनी बढ़ गई हैं कि मामला तलाक तक पहुंच गया है। बता दें नताशा 80 के दशक की मशहूर अदाकारा मुमताज की बेटी हैं। दोनों ने लैविश अंदाज में एक-दूसरे से शादी रचाई थी। साथ ही दोनों के दो बच्चे भी हैं। बता दें कि 2015 में फरदीन और नताशा ने धूमधाम से शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जहां फरदीन मुंबई में रहते हैं तो वहीं नताशा अपनी मां के साथ लंदन में रहती हैं।

टीवी मसाला

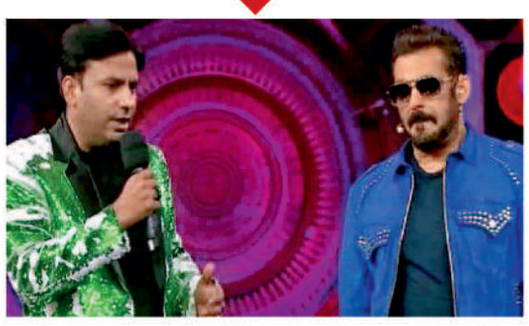

बिग बॉस ओटीटी 2 के बाद पुनीत इस विवादित शो में लेंगे एंट्री...

नई दिल्ली। सोशल मीडिया सेंसेशन पुनीत सुपरस्टार ने वो पहले कंटेस्टेंट हैं जिसे बिग बॉस से पहले ही दिन एविक्ट किया गया हो। पुनीत ने इस शो में कुछ ऐसा कर दिया था कि सभी घरवाले उनके खिलाफ हो गए थे। सलमान खान ने पहले ही दिन उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया था जिसके बाद इस शो की टीआरपी काफी कम हुई थी। इन सब के बाद अब पुनीत सुपरस्टार एक नए शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं। दरअसल वो कोई और शो नहीं बल्कि कंगना रनौत का 'लॉकअप सीजन 2' है। पुनीत ने खुद इस बात को कंफर्म किया है। साथ ही सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ने कंगना रनौत को प्रपोज भी किया है। बता दें पुनीत ने बिग बॉस ओटीटी 2 में जाकर खूब लाइमलाइट बटोरी थी। शो से निकलने के बाद भी वो खासी चर्चाओं में रहे। हाल ही में उनका 3 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स वाला इंस्टाग्राम अकाउंट भी डिलीट हो गया है। जिसके बाद वो काफी उदास थे। पुनीत ने कहा इसीलिए वो ये अनाउंसमेंट कर रहे हैं।

लॉकअप 2 में पुनीत लेंगे एंट्री

पुनीत सुपरस्टार अब 'लॉकअप 2' में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने वाले हैं। खुद पुनीत ने इस बात को कंफर्म किया है। जिसके बाद उनके फैंस खासा एक्साइटेड हो गए हैं। पुनीत ने इस बात का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'वैसे मुझे बताने से मना किया गया था, लेकिन मैं यहां पर अनाउंस कर देता हूं। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। दरअसल, मैं अब लॉक अप में आने वाला हूं। लॉकअप की तरफ से मेरे पास कई दिनों से ऑफर आ रहा था। अब मैं बहुत जल्द लॉक अप में जाने वाला हूं। आप लोग मुझे वहां देखने वाले हैं।

कंगना रनौत को किया प्रपोज

इसके साथ ही पुनीत ने कंगना को लेकर कहा, 'सामने कंगना जी बैठी होंगी। जैसे ही मैं शो में एंट्री लूंगा, सबसे पहले मैं यही बोलूंगा कि कंगना जी मैं आपसे बहुत ज्यादा प्यार करता हूं। आप भी मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करती हो और उसके बाद प्यार हो जाएगा, हमारी शादी हो जाएगी और हमारे जैसे दो गोरे बच्चे होंगे।

गुरु रंधावा का यू टॉकिंग टू मी रिलीज..

मुंबई। जानेमाने गायक गुरू रंधावा का नया गाना यू टॉकिंग टू मी रिलीज हो गया है। यू टॉकिंग टू मी गाना भूषण कुमार द्वारा निर्मित किया गया है। भूषण कुमार ने कहा, गुरु हमारे म्यूजिक इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। वे हमेशा अपने श्रोताओं के समक्ष कुछ अनोखा पेश करने की कोशिश करते हैं। और इस बार भी उन्होंने यू टॉकिंग टू मी के साथ अपने संगीत को एक पायदान ऊपर ले लिया है और मुझे यकीन है कि संगीत प्रेमी इस ट्रैक का आनंद लेंगे। गुरु रंधावा ने कहा, रॉबर्ट डी नीरो मेरे पसंदीदा में से एक रहे हैं। जब मैंने यू टॉकिंग टू मी बनाने का फैसला किया, तो ऐसा लगा जैसे यह महान को ट्रिब्यूट देने का सही मौका है। साथ ही मैं अपने प्रशंसकों के समक्ष कुछ नया और रोमांचक भी लाना चाहता था। जैसे ही इस गाने का पहला बीट रिलीज़ किया गया तब से ये एहसास हो गया था कि इस गाने में अनकंडीशनल फील और वाइब है। इस गाने को सभी लोग एंज्वॉय करेंगे।

बॉलीवुड में तीन बार रिजेक्ट हुई थीं मंदाकिनी

सिनेमा की सनसनी कैसे बनीं मेरठ की यासमीन जोसफ

मुंबई। वह मेरठ की गलियों से निकली और अचानक ही सिनेमा की सिरमौर बन गईं। बात हो रही है अपने जमाने की बेहतरीन अदाकारा मंदाकिनी की, जिन्होंने आज ही के दिन इस दुनिया में पहला कदम रखा था। उनकी खूबसूरती की चर्चा आज भी होती है तो उनके बोल्ड सीन अब मिसाल बन चुके हैं। आलम यह रहा कि कभी निशाना साधने वाले उनकी तारीफ में कसीदे पढ़ते-पढ़ते नहीं थके। बस उन पर एक डॉन की नजर क्या पड़ी कि उनके लिए जमाने की नजरें ही बदल गईं. बात हो रही है मेरठ की यासमीन जोसफ यानी मुंबई की मंदाकिनी की, जिन्होंने 30 जुलाई 1963 के दिन मेरठ की सरजमीं पर जन्म लिया था।

ऐसे शुरू हुआ था मंदाकिनी का कॅरियर

मंदाकिनी के करियर के उतार-चढ़ाव से तो हर कोई रूबरू है। सभी जानते हैं कि कैसे उन्होंने राम तेरी गंगा मैली से सिनेमा की दुनिया में पहला कदम रखा कि वह उस जमाने के लिए मिसाल बन गया। आलम यह रहा कि उन्हें उस जमाने में 'बॉलीवुड की सेक्स सायरन' कहा जाने लगा, लेकिन क्या आपको पता है कि सिनेमा में सिरमौर बनने से पहले मंदाकिनी ने काफी संघर्ष भी किया था?

तीन बार रिजेक्ट हुई थीं मंदाकिनी

हुआ यूं था कि मंदाकिनी जब सिनेमा की दुनिया में अपना जलवा कायम करने के इरादे से मुंबई पहुंचीं, तब उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। शुरुआत में उन्हें तीन बार रिजेक्ट किया गया। उन्हें रिजेक्ट करने वालों में अपनी पहली ही फिल्म से स्टारडम पाने वाले कुमार गौरव तक शामिल थे। हालांकि, मंदाकिनी ने हर मुसीबत को पार करके अपने कदम इतनी मजबूती से जमाए कि वह हर किसी के लिए मिसाल बन गईं।

22 साल की उम्र में दिए थे बोल्ड सीन

साल साल 1985 में रिलीज हुई फिल्म राम तेरी गंगा मैली ही मंदाकिनी की पहली मूवी थी। उस वक्त वह महज 22 साल की थीं। इस फिल्म के डायरेक्टर राज कपूर थे, जो उन्होंने अपने सबसे छोटे बेटे राजीव कपूर के लिए बनाई थी। फिल्म में मंदाकिनी के बोल्ड सीन दिए थे, जिन पर उस जमाने में काफी विवाद भी हुआ था।

सूद कई फिल्मों में लीड हीरो भी बन चुके हैं

कभी विलेन, कभी हीरो तो कभी मसीहा... असली जिंदगी में सबसे बड़े हीरो सोनू

सोनू सूद बॉलीवुड का एक ऐसा नाम है जो असल जिंदगी में भी हीरो है। साउथ की दुनिया ने उन्हें सिनेमा में एंट्री दिलाई तो कोरोना महामारी ने उन्हें रियल लाइफ का हीरो बना दिया। 30 जुलाई के दिन पंजाब के मोगा में जन्मे सोनू सूद आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। आलम यह है कि वह साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड में भी नाम कमा चुके हैं। बर्थडे स्पेशल में हम आपको सोनू सूद की जिंदगी के चंद पन्नों से रूबरू करा रहे हैं।

इंजीनियर बनते-बनते रह गए सूद

सोनू मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता कपड़े की दुकान चलाते थे और वह अपने बेटे को इंजीनियर बनाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने सोनू को नागपुर भेजा था। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद सोनू सूद मुंबई पहुंच गए। उस वक्त उनके पास महज 5500 रुपये थे। ऐसे में सोनू को मुंबई में मुकाम बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

साउथ की फिल्मों ने दिखाया नया रास्ता

बता दें कि सोनू सूद ने 1996 के दौरान मिस्टर इंडिया कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया था, लेकिन जीत नहीं पाए. इसके बाद वह करीब तीन साल तक संघर्ष करते रहे, जिसके बाद साउथ सिनेमा ने उनके लिए नए रास्ते खोल दिए। साल 1999 में साउथ की फिल्म कालाझगर से बड़े पर्दे पर कदम रखा। वहीं, साल 2002 में शहीद भगत सिंह की जिंदगी पर बनी फिल्म शहीद ए आजम में दमदार किरदार निभाया. इसके बाद उन्हें साउथ की फिल्मों में काम मिलने लगा।

कोरोना काल में बने मसीहा

कोरोना महामारी के जब लोग परेशान थे। अपने-अपने घरों के लिए सड़कों पर भटक रहे थे, उस दौरान सोनू सूद उनके लिए मसीहा बनकर सामने आए। उन्होंने लोगों को उनके घरों तक पहुंचाया। साथ ही, मेडिकल इमरजेंसी में भी काफी मदद की। कोरोना का दौर बीत चुका है, लेकिन सोनू की मदद का सिलसिला आज भी जारी है।

25 साल में कीं इतनी सारी फिल्में

बता दें कि सोनू सूद साउथ के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। सलमान खान की फिल्म दबंग में उन्होंने दमदार विलेन छेदी सिंह का किरदार निभाया था। सिनेमा की दुनिया में सोनू 25 साल से ज्यादा वक्त बिता चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 47 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। इनमें हॉलीवुड फिल्म भी शामिल हैं, जिसमें वह जैकी चैन के साथ नजर आए थे। बता दें कि सोनू सूद कई फिल्मों में लीड हीरो भी बन चुके हैं।

खबर संक्षेप

गो फर्स्ट ने रद्द टिकटों का पैसा लौटाने मांगी अनुमति

नई दिल्ली। एयरलाइन गो फर्स्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) से आग्रह किया है कि उसे तीन मई और उसके बाद की टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पैसा लौटाने की अनुमति दी जाए। नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइन कंपनी ने उड़ान सेवा तीन मई से निलंबित की हुई है।

ऑडिटर पर लगा एक लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। ऑडिट नियामक राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने 2015-16 के लिए अंशू क्लोथिंग लिमिटेड के ऑडिट में कथित पेशेवर कदाचार के लिए ऑडिटर पर एक लाख रुपये का जुर्माना और एक साल का प्रतिबंध लगाया है। 2015-16 में अंशू क्लोथिंग के शेयर बीएसई और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध किए गए थे।

आरवीएनएल को मिला अच्छा प्रतिसाद

नई दिल्ली। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि रेल विकास निगम लिमिटेड की शेयर बिक्री पेशकश को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दो दिन की बिक्री पेशकश बंद हो गई। सरकार ने 11.17 करोड़ शेयरों की बिक्री की जो रेल उपक्रम आरवीएनएल में 5.36 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

एलटी फूड्स का तिमाही लाभ 44 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। उपभोक्ता खाद्य कंपनी एलटी फूड्स का एकीकृत शुद्ध मुनाफा शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 44 % बढ़कर 137.44 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी ने 95.16 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कुल आय एक साल पहले जून तिमाही के 1,611.10 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,778.07 करोड़ रुपये हो गई।

कोका-कोला विश्व कप क्रिकेट की भागीदार बनी

नई दिल्ली। शीतल पेय कंपनी कोका-कोला ने आगामी क्रिकेट विश्व कप के लिए वह आईसीसी की शीतल पेय भागीदार होगी। कोका-कोला और आईसीसी इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के लिए एक बार फिर साथ आ रहे हैं। 'इस साझेदारी के तहत कोका-कोला आईसीसी का विशेष शीतल पेय भागीदार बन गयी है।'

एफएंडओ में नुकसान को रोकने सेबी रिटेलर के ट्रेडिंग पर लगा सकती है लिमिट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शेयर बाजार में ट्रेडिंग भारत में तेजी से लोकप्रिय हुआ है। पिछले कुछ सालों में खासकर कोविड के बाद बाजार में ट्रेड करने वालों की संख्या बढ़ी है।

- अध्ययन में सामने आया हर 10 में से 9 निवेशक पैसा गंवा रहा

बाजार नियामक शेयर ट्रेडिंग को लेकर एक बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है, जिससे सभी ट्रेडर्स प्रभावित होंगे। दरअसल बाजार नियामक सेबी की तैयारी खुदरा निवेशकों के लिए रिस्क को कम करने से जुड़ी हुई है। इसके लिए सेबी का प्रस्ताव है कि फ्यूचर एंड ऑप्शंस में ट्रेड करने वालों की संपत्ति में इक्विटी डेरिवेटिव्स के अमाउंट को लिंक किया जाए। सेबी भारतीय शेयर बाजार की हालिया रैली को देखते हुए यह कदम उठा रहा है। सेबी को लगता है कि बाजार में लौटी रैली से बड़ी संख्या में खुदरा निवेशक आकर्षित हो सकते हैं।

इक्विटी डेरिवेटिव मार्केट में खुदरा निवेशकों की भागीदारी 500 प्रतिशत बढ़ी

बाजार में 90 प्रतिशत लोग गंवा रहे पैसे

सेबी के आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी डेरिवेटिव मार्केट में खुदरा निवेशकों की भागीदारी पिछले 3 साल में 500 फीसदी बढ़ी है। जनवरी में आई सेबी की एक स्टडी की मानें तो इनमें बड़ी संख्या ऐसे निवेशकों की है, जिनकी उम्र 30 साल के आस-पास है। ऐसे निवेशकों के मामले में हर 10 में से 9 ट्रेडर्स ने बाजार में पैसे गंवाए हैं। ऐसे निवेशकों का औसत नुकसान 1.1 लाख रुपए है। छोटे निवेशकों के हिसाब से देखें तो यह बड़ा अमाउंट है।

क्या होगा बदलाव का असर

अब समझते हैं कि इसका क्या असर होने वाला है। फ्यूचर एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा तो होता है, लेकिन नुकसान भी भयानक होता है। कई बार ऐसा होता है कि एक तगड़े नुकसान से ट्रेडर्स की अब तक की सारी कमाई डूब जाती है। अगर नए नियम अमल में आते हैं तो ब्रोकर के द्वारा बताई गई नेट वर्थ के तय मल्टीपल में ट्रेडिंग वॉल्यूम की लिमिट लग जाएगी।

ट्रेडिंग पर लग जाएगी लिमिट

अगर प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो ट्रेडर्स की नेट वर्थ व इनकम के बारे में स्टॉक मार्केट को जानकारी देने की जिम्मेदारी ब्रोकर्स को दी जा सकती है। एक बार जब ब्रोकर इन्वेस्टर की नेट वर्थ व इनकम के बारे में स्टॉक एक्सचेंज को बता देगा, उसके बाद एक्सचेंज अलग-अलग ब्रोकरेज फर्म के जरिए फ्यूचर एंड ऑप्शंस में ट्रेडर्स के एक्सपोजर को मॉनिटर कर पाएगा।

ये है सेबी का अहम प्रस्ताव

खुदरा निवेशकों को होने वाले नुकसान के ये भयावह आंकड़े ही सेबी की चिंता का विषय हैं। सेबी ने इससे पहले ब्रोकर्स को कहा था कि वे डेरिवेटिव्स में ट्रेड करने के रिस्क को अपनी वेबसाइट पर प्रमुखता से दिखाएं। अब सेबी खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सेबी फ्यूचर एंड ऑप्शंस में होने वाले ट्रेड की वैल्यू को ट्रेडर्स की इनकम व नेट वर्थ से लिंक करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रहा है।

एमपीसी की बैठक के पूर्व विशेषज्ञों ने जताया अनुमान

आरबीआई मुख्य ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रख सकती है

- आगामी एमपीसी की बैठक 8 से 10 अगस्त के बीच होगी
- लगातार तीसरी बार प्रमुख ब्याज दरों पर रह सकती है यथास्थिति
- घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के सहनशील दायरे में बनी हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी आगामी द्विमासिक नीति समीक्षा में लगातार तीसरी बार प्रमुख ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रख सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताया। विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के प्रधान दरों में बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के सहनशील दायरे में बनी हुई है।

आरबीआई ने पिछले साल मई से ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू की थी, हालांकि इस साल फरवरी के बाद से रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर है। अप्रैल और जून में पिछली दो द्विमासिक नीति समीक्षाओं में इसमें बदलाव नहीं किया गया।

आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 8-10 अगस्त को होगी। नीतिगत निर्णय की घोषणा 10 अगस्त को गवर्नर शक्तिकांत दास करेंगे।

मुद्रास्फीति पांच फीसदी से कम चल रही

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई दरों पर यथास्थिति बनाए रखेगा। इसका कारण यह है कि मुद्रास्फीति इस समय पांच प्रतिशत से कम चल रही है, लेकिन आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने के साथ इसमें कुछ बढ़ोतरी का जोखिम होगा।'

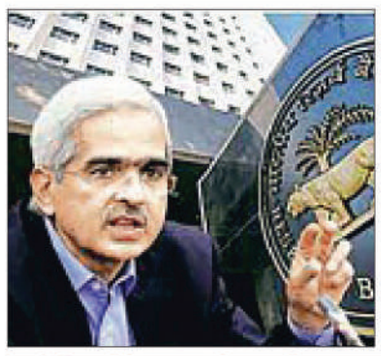

नकदी की स्थिति अनुकूल

कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, 'चूंकि 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा के बाद नकदी की स्थिति अनुकूल हो गई है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई मौजूदा रुख पर कायम रहेगा।' उन्होंने कहा कि सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि घरेलू मुद्रास्फीति का रुख कैसा रहता है।

सीपीआई के छह प्रतिशत से ऊपर जाने का अनुमान

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि सब्जियों की कीमतों में उछाल से जुलाई 2023 में सीपीआई या खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर जाने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि ऐसे में रेपो दर पर यथास्थिति बनी रहने के साथ एमपीसी की काफी तीखी टिप्पणी देखने को मिल सकती है।

भारत के कृषि उद्योग के लिए खुलेंगे नए अवसर

यूरोपीय संघ (ईयू) के वन-कटाई नियमों को सख्त बनाने से भारत के कृषि आधारित उद्योगों को नए अवसर मिलेंगे। एक अधिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में वन क्षेत्र काफी बढ़ रहा है, जिससे देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बढ़त मिलेगी। एक ओर जहां लातिनी अमेरिका और अफ्रीका के कई देश खेती के लिए अपने जंगलों को साफ कर रहे हैं, वहीं भारत का वन क्षेत्र बढ़ रहा है। यहां खेती के लिए जंगल काटने का चलन नहीं है।

कॉफी, चमड़ा और पेपरबोर्ड उत्पादों का निर्यात होगा प्रभावित

सरकारी अधिकारी ने कहा कि ये नियम 'हमारे उद्योगों के लिए एक बड़ा अवसर हैं, क्योंकि हमारा वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'हमारी वन भूमि, कृषि जमीन से अलग है। हम इन तथ्यों को यूरोपीय संघ के सामने रख सकते हैं और इस विनियमन पर एक तरह की समझ बना सकते हैं। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ के वन-कटाई नियमों के कारण भारत से यूरोपीय संघ को सालाना 1.3 अरब डॉलर मूल्य के कॉफी, चमड़ा और पेपरबोर्ड जैसे उत्पादों का निर्यात प्रभावित होगा।

सिएट चालू वित्त वर्ष में 750 करोड़ रुपए करेगी निवेश

- कंपनी महाराष्ट्र के अंबरनाथ में संयंत्र की क्षमता बढ़ाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टायर विनिर्माता सिएट लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष में लगभग 750 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। इसमें से ज्यादातर राशि कंपनी के महाराष्ट्र के अंबरनाथ संयंत्र में एग्री-रेडियल टायरों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में लगाई जाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्नब बनर्जी ने यह जानकारी दी है।

कंपनी को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को उसकी आपूर्ति बढ़ेगी, क्योंकि इस दौरान वह छोटे रिम से बड़े आकार में बदलाव को पूरा कर रही है। वाहन विनिर्माताओं से इसके लिए जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। सिएट ने वाहनों के टायर बदलने के बाजार (रिप्लेसमेंट) में पहली तिमाही में विशेषरूप से मोटरसाइकिल खंड में अच्छी वृद्धि दर्ज की है। कंपनी को वृद्धि की यह रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। हालांकि, सिएट का मानना है कि ग्रामीण बाजार में अभी वृद्धि के लिए दो और तिमाहियों का इंतजार करना होगा।

बनर्जी ने चालू वित्त वर्ष में कंपनी की निवेश योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम साल के लिए 700 से 750 करोड़ रुपये के बारे में बात कर रहे हैं। इसमें से लगभग 220 करोड़ रुपये का निवेश हम पहली तिमाही में कर चुके हैं।'

कंपनी के देश में छह संयंत्र

बैनर्जी ने कहा कि नागपुर और चेन्नई सहित अन्य संयंत्रों पर भी पूंजीगत व्यय किया जाएगा। वहीं 200 करोड़ रुपये सामान्य कंपनी कामकाज पर खर्च किए जाएंगे। सिएट लिमिटेड के भारत में छह विनिर्माण संयंत्र... हलोल, नासिक, नागपुर, भांडुप, अंबरनाथ और चेन्नई में हैं।

बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दरों में किया बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंक ऑफ इंडिया फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी की ब्याज दरों में कटौती की है। अब बैंक में साल की एफडी कराने पर आपको 6प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। नई ब्याज दरें 2 करोड़ से कम की एफडी पर लागू हो गई हैं। इसके अलावा बैंक ने खास डिपॉजिट स्कीम (एफडी) 'मानसून डिपॉजिट' लांच की है। मानसून डिपॉजिट के तहत 400 दिनों एफडी करानी होगी। बैंक की ओर से इस स्पेशल एफडी पर सबसे अधिक 7.25प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है।

10 बेसिस प्वाइंट्स (0.10फीसदी) की कटौती की है। एक्सिस बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि की एफडी पर 3.50-7.10 फीसदी सालाना की दर से ब्याज दे रहा है।

एफडी से मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्स : एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में एफडी पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि एफडी पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को 'इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज' माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स या टीडीएस के तहत चार्ज किया जाता है।

एक्सिस बैंक ने एफडी की ब्याज दरें घटाईं

एक्सिस बैंक ने 2 करोड़ से कम रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में संशोधन किया है। बैंक ने चुनिंदा एफडी की ब्याज दर में

मुनाफा हुआ तीन गुना

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) का शुद्ध लाभ जून तिमाही में लगभग तीन गुना होकर 1,551 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने बताया कि फंसे कर्ज में कमी के कारण उसका वित्तीय परिणाम बेहतर रहा। मुंबई स्थित ऋणदाता ने एक साल पहले इसी अवधि में 561 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ऑफ इंडिया ने शेयर बाजार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 15,821 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11,124 करोड़ रुपये थी।

'हाइब्रिड' म्यूचुअल फंड योजनाओं में बढ़ा निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लगातार तीन तिमाहियों में निकासी के बाद हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं ने निवेशकों को फिर आकर्षित करना शुरू कर दिया है। ऋण कोषों पर कराधान में हालिया बदलाव के बाद जून तिमाही में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं को 14,000 करोड़ रुपये का निवेश मिला है।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड जो शेयर और बॉन्ड या ऋण दोनों प्रतिभूतियों और कई बार सोने जैसी अन्य संपत्तियों में निवेश करते हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में हाइब्रिड योजनाओं में आए 10,084 करोड़ रुपये निवेश से कहीं अधिक है।

- जून तिमाही में मिला 14,000 करोड़ रुपये का निवेश
- ऋण कोषों पर कराधान से आया बदलाव

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में हाइब्रिड कोषों के परिसंपत्ति आधार (एयूएम) और फोलियो (निवेशक खाते) की संख्या में भी वृद्धि हुई। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड मध्यम या कम जोखिम वाले निवेशकों को अधिक आकर्षित करते हैं। इन्हें हमेशा अच्छा निवेश विकल्प माना जाता है, क्योंकि ये शेयर बाजारों में भागीदारी से जुड़े जोखिम को कम करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में जून तिमाही में 14,021 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

मार्च में निवेशकों ने फंड निकाला

निवेशकों ने मार्च तिमाही में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड से 7,420 करोड़ रुपये, दिसंबर तिमाही में 7,041 करोड़ रुपये और सितंबर तिमाही में 14,436 करोड़ रुपये निकाले थे। जून तिमाही में निवेश दिसंबर, 2021 तिमाही के बाद सर्वाधिक है। तब इन योजनाओं में 20,422 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

एफपीआई की खरीदारी जारी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली का सिलसिला जुलाई में भी जारी है। इस महीने में अबतक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 45,365 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हालांकि, ऐसा लगता है कि एफपीआई की लिवाली की रफ्तार अब सुस्त पड़ रही है। फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले पिछले दो कारोबारी सत्रों में विदेशी निवेशक बिकवाल रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, 'अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने आगे ब्याज दर में और बढ़ोतरी का संकेत दिया है और तत्काल ब्याज दर घटाने की संभावना से इनकार किया है।'

तिमाही परिणाम से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख भी करेगा प्रभावित

घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुझान, कंपनियों के तिमाही नतीजे तथा विदेशी कोषों का प्रवाह इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव और ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, वृहद आर्थिक परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से बाजार भागीदारों की निगाह से एक से चार अगस्त के बीच आने वाले अमेरिका के विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई और अमेरिका ही गैर-कृषि रोजगार के आंकड़ों पर रहेगी। गौर ने कहा, 'इन संकेतकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे जानकारी मिलेगी और इनसे बाजार धारणा प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, संस्थागत गतिविधियों का भी बाजार के रुझान पर प्रभाव पड़ेगा।' घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों में इस सप्ताह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई आंकड़े क्रमशः मंगलवार और बृहस्पतिवार को आएंगे। सप्ताह के दौरान अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी ट्रांसमिशन, गेल, अंबुजा सीमेंट्स, इंटरग्लोब एविएशन, टाइटन, अडाणी एंटरप्राइजेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के जून तिमाही के नतीजे आएंगे।

क्रेडाई व रेरा के संयुक्त सेमीनार में महत्वपूर्ण विषयों पर हुई सार्थक चर्चा

रायपुर। क्रेडाई छत्तीसगढ़ व रेरा का एक संयुक्त सेमीनार शनिवार को आयोजित किया गया था जिसमें विभिन्न विषयों पर काफी विस्तृत चर्चा हुई। सेमीनार में रेरा पदाधिकारियों के अलावा प्रमोटर्स, सीए, आर्किटेक्ट, एड्वोकेट व इससे जुड़े अन्य मेंबर्स प्रमुख रूप से शामिल रहे।

- कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे व समस्याएं बताई

क्रेडाई से जुड़े मेंबर्स ने कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे और अपनी समस्याएं भी बतायी। तब रेरा पदाधिकारियों ने बताया कि दरअसल शासन ने रेरा का गठन ही इसीलिए किया है कि बिल्डर्स व ग्राहक को किसी प्रकार की परेशानी न हो और नियमागत सारी सुविधाएं उन्हें उपलब्ध हो सके। सेमीनार में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय रहेजा ने कहा कि जब से रेरा का गठन हुआ है काफी अच्छा सहयोग बिल्डर्स को मिला है। जो भी उचित सुझाव हमने दिया उसका परिपालन भी हुआ। रहेजा ने आग्रह किया कि जो एसआरओ (सेल्फ रेग्यूलेटरी आर्गनाइजेशन) मेंबर्स हों उन्ही का रेरा पंजीयन करे। महाराष्ट्र रेरा द्वारा यह पहले ही लागू कर दिया गया है और छत्तीसगढ़ में भी यह लागू किया जाना चाहिए। इस पर रेरा अध्यक्ष सहमत हुए और छत्तीसगढ़ में भी इसे लागू करने का आश्वासन दिया। क्रेडाई सेंट्रल जोन के वाइस प्रेसीडेंड आनंद सिंघानिया ने सुझाव रखा कि जब प्रमोटर्स को रेरा में पंजीयन कराना पड़ रहा है तब कालोनाइजर्स लाइसेंस की प्रक्रिया को समाप्त किया जाना चाहिए, क्योकि एक जैसी प्रक्रिया को बार-बार करना पड़ता है। इस पर रेरा की ओर से कहा गया कि विभाग में समीक्षा के पश्चात इस पर आगे निर्णय लिया जायेगा।

ये उपस्थित रहे

सेमीनार में रेरा के अध्यक्ष संजय शुक्ला,रेरा के सदस्य धनंजय देवांगन, दीपा कटारे, क्रेडाई सेंट्रल जोन के वाइस प्रेसीडेंड आनंद सिंघानिया, क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय रहेजा, क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सचिव पंकज लाहोटी, प्रमोटर्स, सीए, आर्किटेक्ट, एड्वोकेट व क्रेडाई मेंबर्स काफी संख्या में उपस्थित थे।

31 जुलाई 2023 के बाद टैक्सपेयर्स को कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं

बारिश-बाढ़ का असर, 14 फीसदी डेडलाइन तक नहीं भर पाएंगे आईटीआर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए अब सिर्फ एक दिन का समय बचा हुआ है। 31 जुलाई 2023 के बाद इनकम टैक्स रिटर्न भरने पर टैक्सपेयर्स को कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। हालांकि अभी भी ऐसे टैक्सपेयर्स की संख्या काफी ज्यादा है, जिन्होंने अब तक रिटर्न फाइल नहीं किया है।

- अभी ज्यादातर संख्या वैसे लोगों की जो भारी बारिश और बाढ़ की तबाही से रिटर्न नहीं भर पाए

इनमें से ज्यादातर संख्या वैसे लोगों की है, जो भारी बारिश और बाढ़ की तबाही के कारण टैक्स रिटर्न नहीं भर पा रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ई-फाइलिंग पोर्टल के डैशबोर्ड पर दी गई जानकारी के अनुसार, अभी तक चालू असेसमेंट ईयर 2023-24 यानी वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रजिस्टर्ड इंडिविजुअल यूजर्स की संख्या 11.50 करोड़ से अधिक पहुंच चुकी है। उनमें से 5 करोड़ 83 लाख टैक्सपेयर्स ने अभी तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया है।

लोकल सर्कल्स ने किया सर्वेक्षण

इस बीच एक सर्वे में पता चला है कि करीब 14 फीसदी टैक्सपेयर बाढ़ व बारिश के कारण डेडलाइन तक अपना रिटर्न फाइल नहीं कर पाएंगे। लोकल सर्कल्स के द्वारा किए गए सर्वेक्षण में लोगों से इनकम टैक्स रिटर्न को लेकर जानकारियां जुटाई गई। इस सर्वे में करीब 12 हजार लोग शामिल हुए। सर्वे में शामिल लोगों में से 14 फीसदी ने कहा कि बारिश और बाढ़ के कारण आई समस्याओं के चलते वे 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न नहीं फाइल कर पाएंगे।

सर्वे में सामने आए ऐसे-ऐसे नतीजे

सर्वे के अनुसार, 27 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्होंने अभी तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है। हर 10 में से 7 लोगों ने रिटर्न फाइल कर दिया है। 5 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्होंने इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का प्रयास किया, लेकिन दिक्कतें आने से नहीं कर पाए। वे 31 जुलाई की डेडलाइन से पहले फिर रिटर्न फाइल करने का प्रयास करेंगे।

9 फीसदी लोगों के लिए असंभव

सर्वे में 8 फीसदी ऐसे लोग मिले, जिन्होंने अब तक अपना रिटर्न फाइल तो नहीं किया है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि वे 31 जुलाई से पहले यह काम कर लेंगे। जिन 14 फीसदी लोगों ने 31 जुलाई तक रिटर्न फाइल करने में असमर्थता जाहिर की, उनमें से 5 फीसदी ऐसे रहे जिन्होंने कहा कि वे कुछ अतिरिक्त प्रयास कर रिटर्न फाइल कर सकते हैं, जबकि 9 फीसदी लोगों ने कहा कि उनके लिए किसी भी सूरत में डेडलाइन से पहले रिटर्न फाइल कर पाना संभव नहीं है।

अब तक नहीं मिला कोई संकेत

सर्वे के नतीजे ऐसे समय आए हैं, जब कई पक्षों से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की जा रही है। बहुत सारे टैक्सपेयर सोशल मीडिया के जरिए भी अपनी आवाज उठा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अब तक डेडलाइन को बढ़ाने का कोई संकेत नहीं दिया है।

कोलंबिया टीम की खिलाड़ी

मोरक्को व कोलंबिया ने किया उलटफेर

फीफा विश्वकप : दो बार की चैंपियन जर्मनी हारीं, वेनेगास ने इंजरी टाइम में दागा गोल

एडिलेड,(एजेंसी)। दुनिया की 72वें नंबर की टीम डेब्यूटेंट मोरक्को ने रविवार को अपने दूसरे ग्रुप एच मुकाबले में 55 पायदान ऊपर रैंकिंग वाली दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर बड़ा उलटफेर करते हुए महिला विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की।

दिन के एक अन्य मुकाबले में, विश्व रैंकिंग में 27वें नंबर की कोलंबिया ने ग्रुप एच में दो बार की चैंपियन जर्मनी को 2-1 से मात दी। कोलंबिया ने लिंडा काइसेडो के 52वां मिनट के गोल के दम पर बढ़त बनाई, लेकिन जर्मनी की एलेक्जेंड्रा पॉप ने 89वां मिनट पर गोल जमाकर स्कोर बराबर कर दिया था। जर्मनी मुकाबले को ड्रॉ पर समाप्त करने की कगार पर थी, लेकिन कोलम्बिया की मैनुअला वानेगास (90+7वां मिनट) ने आखिरी क्षणों में गोल दागकर जीत हासिल की । दूसरी ओर, अफ्रीकी टीम ने छठे मिनट में स्ट्राइकर इब्तिसाम जरैदी के विश्व कप के अपने पहले गोल से शुरुआती सफलता हासिल की। जो निर्णायक गोल साबित हुआ। मोरक्को इस समय अंक तालिका में जर्मनी और कोलंबिया के साथ तीन अंक की बराबरी पर है। जर्मनी के ग्रुप एच के अपने अंतिम मैच में दक्षिण कोरिया को हराने की उम्मीद है। मोरक्को की डिफेंडर नोहेला बेनजिना इस मैच में हिजाब पहनकर उतरी। वह पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने सीनियर स्तर पर विश्व कप मैच में हिजाब पहना।

मोरक्को

न्यूजीलैंड टूर्नामेंट से बाहर, स्विट्जरलैंड अंतिम-16 में

न्यूजीलैंड ग्रुप-ए मुकाबले में स्विट्जरलैंड से गोलरहित ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट से बाहर होने वाला पहला सह-मेजबान देश बना। मैच के दौरान अंपायर की अंतिम सीटी बजने पर न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ी रो पड़े, क्योंकि उनकी टीम गोल अंतर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत ग्रुप में दूसरे स्थान पर की, लेकिन फिलीपींस पर 6-0 की शानदार जीत की बदौलत नॉर्वे उनसे ऊपर आ गया। स्विट्जरलैंड की टीम ने अंतिम-16 राउंड के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है।

सिटी स्पोर्ट्स

27वीं मप्र ट्रायथलॉन प्रतियोगिता संपन्न

भोपाल (खेस)। मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन संघ द्वारा आयोजित 27वीं मध्यप्रदेश जूनियर एवं सीनियर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता क्याकिंग एवं कैनोईंग सेंटर छोटा तालाब में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश के 16 जिलों के 64 बालक एवं बालिकाओं ने हिस्सा लिया। सीनियर ट्रायथलॉन पुरुष वर्ग में भोपाल के दिव्यांश परिहार पहले स्थान पर रहे। वहीं अंकित झा दूसरे और कमलेश तीसरे स्थान पर रहे। सीनियर ट्रायथलॉन महिला वर्ग में भोपाल की अदया सिंह पहले, जबलपुर की रमा सोनकर दूसरे और भोपाल की विधि तीसरे पायदान पर रहीं। जूनियर ट्रायथलॉन लड़ाको के वर्ग में भोपाल के रोशन पहले, अंकुर दूसरे और अभिषेक तीसरे पायदान पर रहे। जूनियर ट्रायथलॉन लड़कियों के वर्ग में दुंविशा पहले पायदान पर रहीं। प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक आरकेगुप्ता ने किया।

गिरीश दूसरी बार भोपाल क्षेत्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

भोपाल (खेस)। गिरीश दाढ़कर मध्य प्रदेश सिंचाई (जल संसाधन) विभाग क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब भोपाल के दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उनकी इस उपलब्धि पर, प्रांतीय अध्यक्ष मनीष मंडलिक, प्रांतीय महासचिव राजकुमार श्रीवास्तव, प्रांतीय समन्वयक अरविंद कुशवाह, प्रदेश संयोजक दिनेश श्रीवास्तव, प्रांतीय वरिष्ठ सलाहकार जीके अग्रवाल इत्यादि क्लब के पदाधिकारी, सदस्यों एवं खिलाड़ियों ने हार्दिक बधाइयां दी एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

हर्षित को ट्रिपल क्राउन, मुदित, रूबी आनिका व शिवम को भी खिताब

भोपाल (खेस)। टेबल टेनिस एसोसिएशन भोपाल द्वारा आयोजित प्रथम रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा के अंतिम दिन खेले गए फाइनल मुकाबलों में 13 वर्षीय हर्षित बघेल ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए आयु वर्ग 13,15,17,19 के खिताब अपने नाम किए । हर्षित ने आयु वर्ग 13 में मुदित को 11-5,11-3,11-7, वर्ग-15 में आरव को 12-5,11-4,11-9 से, वर्ग-17 में संस्कार को 11-9,11-5,10-12,11-9 से वर्ग 19 में ऋषब को सीधे 11-6,11-3,11-7 से पराजित किया। वहीं आयु वर्ग 11 में मुदित ने इब्राहीम को, महिला वर्ग में रूबी ने मानसी को, पुरुष वर्ग में शिवम ने हर्ष को पराजित कर टाइटल जीते। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण संयुक्त संचालक बीएस यादव द्वारा किया गया।

वेस्टइंडीज ने की सीरीज में बराबरी

दूसरे वनडे में भारत को छह विकेट से हराया, मंगलवार को खेला जाएगा निर्णायक मैच

बारबाडोस,(एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने गुडाकेश मोती (36/3) और रोमारियो शेफर्ड (37/3) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान शाई होप (नाबाद 63 रन) के धैर्यवान अर्धशतक के दम पर दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच मंगलवार को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम पर खेला जाएगा।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के अनुभव के बिना मुकाबले में उतरी भारतीय टीम 40.5 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गयी। वेस्टइंडीज ने 182 रन का लक्ष्य 36.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर आसानी के साथ हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए बल्लेबाजी आसान रही। ब्रैंडन किंग (15) और काइल मेयर्स (36) ने इसका फायदा उठाते हुए 50 गेंद में 53 रन की साझेदारी की। शार्दुल ने नौंवे ओवर में किंग व मेयर्स का और इसके बाद एलिक अथानाज (06 रन) का विकेट चटकाकर भारत को राहत दिलाई। 17वें ओवर में गेंद मिलने पर कुलदीप यादव ने शिमरन हेटमायर (नौ) को पवेलियन लौटाया। शुरुआती चार विकेट 100 रन के अंदर गिरने पर विंडीज संकट में आ सकती थी लेकिन कप्तान होप और कार्टी ने पिच ने पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। कार्टी ने 37वें ओवर में दो चौके लगाकर अपनी टीम को विजयी बनया। भारत के लिए शार्दुल ठाकुर ने 8 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके।

स्कोर बोर्ड

भारतीय पारी	रन	गेंद	4/6
इशान किशन कै. ऐथनेज बो. शेफर्ड	55	55	6/1
शुभमन गिल कै. जोसेफ बो. मोती	34	49	5/0
संजू सैमसन कै. किंग बो. करिया	09	19	0/0
अक्षर पटेल कै. होप बो. शेफर्ड	01	08	0/0
हार्दिक पंड्या कै. किंग बो. सील्स	07	14	0/0
सूर्यकुमार कै. ऐथनेज बो. मोती	24	25	3/0
रवींद्र जडेजा कै. करिया बो. शेफर्ड	10	21	0/0
शार्दुल ठाकुर पगबाधा जोसेफ	16	22	2/0
कुलदीप यादव नाबाद	08	23	1/0
उमरान कै. कार्टी बो. जोसेफ	00	02	0/0
मुकेश कै. हेटमायर बो. मोती	06	07	1/0

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 40.5 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट , **विकेट पतन:** 1-90, 2-95, 3-97, 4-113, 5-113, 6-146, 7-148, 8-167 , 9-167, 10-181 **गेंदबाजी:** काइल मेयर्स 5-0-18-0, जेडेन सील्स 6-0-28-1, अल्जारी जोसेफ 7-0-35-2, गुडाकेश मोती 9.5-0-36-3, रोमारियो शेफर्ड 8-1-37-3 यानिक करिया 5-0-25-1.

वेस्टइंडीज पारी	रन	गेंद	4/6
ब्रैंडन किंग पगबाधा शार्दुल	15	23	3/0
काइल मेयर्स कै. मलिक बो. शार्दुल	36	28	4/2
ऐलेक ऐथनेज कै. किशन बो. शार्दुल	06	09	0/0
शे होप नाबाद	63	80	2/2
शिमरॉन हेटमायर बो. कुलदीप	09	15	0/0
केसी कार्टी नाबाद	48	65	4/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 36.4 ओवर में चार विकेट पर 182 रन **विकेट पतन:** 1-53, 2-54, 3-72, 4-91 **गेंदबाजी:** हार्दिक पंड्या 6.4-0-38-0, मुकेश कुमार 3-0-17-0, उमरान मलिक 3-0-27-0, शार्दुल ठाकुर 8-0-42-3, कुलदीप यादव 8-0-30- 1, रवींद्र जाडेजा 6-0-24-0, अक्षर पटेल 2-1-4-0.

शुभमन गिल-इशान किशन ने पहले विकेट के लिए जोड़े 90 रन

विंडीज ने टॉस जीतकर युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। रोहित की अनुपस्थिति में शुभमन गिल (34 रन) और इशान किशन ने पारी की शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। गिल के आउट होते ही विकेटों का पतन शुरू हो गया। किशन 55 गेंद पर 55 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मध्यक्रम के बल्लेबाज सलामी जोड़ी की तरह धैर्य नहीं दिखा सके। अक्षर पटेल एक रन, हार्दिक पांड्या सात रन, संजू सैमसन नौ रन के आउट होने के साथ भारत की आधी टीम 113 रन पर पवेलियन लौट गयी। मोती ने सूर्यकुमार को आउट कर भारत की वापसी की सभी उम्मीदें समाप्त कर दीं। सूर्यकुमार 24 रन जबकि जडेजा सिर्फ 10 रन का योगदान दे सके। भारत के छह बल्लेबाज 0 से 9 रन के स्कोर के बीच आउट हुए।

जसप्रीत बुमराह ने इंट्रा स्क्वॉड मैच में फेंके 10 ओवर

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। एक साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे जसप्रीत बुमराह अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में नजर आ सकते हैं। इसके बाद एशिया कप और फिर वनडे विश्व कप होना है। इन टूर्नामेंट से पहले बुमराह ने अपनी फिटनेस साबित की और लगातार दो स्पेल में उन्होंने 10 ओवर फेंके। बेंगुलुरु के अलूर में इंट्रा स्क्वॉड मैच में जसप्रीत बुमराह ने मुंबई के युवा खिलाड़ियों के खिलाफ 10 ओवर में 34 रन खर्च कर दो मेडेन ओवर फेंके और दो विकेट भी लिए। बता दें कि जसप्रीत बुमराह को बैक सर्जरी से गुजरना पड़ा है, क्योंकि पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फैक्चर था।

हार्दिक ने बल्लेबाजों के सिर पर फोड़ा हार का ठीकरा

मैच हारने के बाद भारत के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि हमने उस तरह से बल्लेबाजी नहीं की जैसी हमें करनी चाहिए थी। पहली पारी की तुलना में विकेट काफी बेहतर हो गया। निराशा हुई, लेकिन और भी बहुत कुछ सीखने को मिला। जिस तरह से से किशन ने बल्लेबाजी की, यह भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है। ठाकुर ने हमारी उम्मीदों को जिंदा रखा।

भारतीय महिला टीम ने जीता स्पेनिश हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

फाइनल में स्पेन को हराया

बार्सिलोना,(एजेंसी)। स्पेन में बार्सिलोना के टेरासा में आयोजित तीन देशों के टोरनेओ डेल सेंटेनारियो 2023 महिला हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने रविवार को फाइनल मुकाबले में स्पेन को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले देश की टीम को फाइनल में धूल चटाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से वंदना कटारिया ने खेल के 22वें मिनट पर, मोनिका ने 48वें और उदिता ने 58वें मिनट पर गोल करके देश को 100वीं वर्षगांठ पर स्पेनिश हॉकी फेडरेशन इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2023 में अजेय रही। भारत ने इस टूर्नामेंट की शुरुआती मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 से मैच ड्रॉ किया था। इससे पहले शुक्रवार को भारतीय हॉकी टीम और स्पेन के बीच हुए मैच भी 2-2 से ड्रॉ रहा था। शनिवार को भारत ने लालरेसियामी की हैट्रिक के दम पर इंग्लैंड को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट की पहली जीत दर्ज की थी। रविवार को जीत की जबरदस्त दरकार थी। खिताबी जीत के बाद भारत चार मैचों में अजेय रहकर आठ अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि स्पेन और इंग्लैंड ने अपने चार मैचों में चार-चार अंकों के साथ संतुष्ट रहना पड़ा।

पुरुष वर्ग में भारत ने जीता कांस्य

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 100वीं वर्षगांठ स्पेनिश हॉकी फेडरेशन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया। इस चतुष्कोणीय टूर्नामेंट में अपने अंतिम मुकाबले में भारत ने हरमनप्रीत सिंह (15वां मिनट) और दिलप्रीत सिंह (50वां मिनट) के गोलों से जीत दर्ज की। थियरी ब्रिंकमैन (25वां मिनट) ने नीदरलैंड का एकमात्र गोल किया।

पहले एल-क्लासिको में जीता बार्सिलोना

रियल मैड्रिड को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। स्पेन के क्लब बार्सिलोना ने सीजन के पहले एल-क्लासिको में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 3-0 से हराया।

अमेरिका के टेक्सास में खेले गए क्लब फ्रैंडली मैच में बार्सिलोना ने धमाकेदार अंदाज में शुरुआत की। उसके लिए ओस्मान डेम्बेले ने 15वें मिनट में ही गोल कर टीम को मैच में 1-0 से आगे कर दिया। मैच के आखिरी मिनटों में बार्सिलोना ने दो गोल दागे। 85वें मिनट में फर्मिन लोपेज मार्टिन ने गोल किया। यह रियल मैड्रिड के खिलाफ उनका पहला गोल था। उनके बाद इंजरी टाइम

(90+1वें मिनट) में फेरान टोरेस ने गोल कर स्कोर को 3-0 कर दिया। रियल की टीम विनिसियस जूनियर जैसे युवा स्टार थे, लेकिन वह एक भी गोल नहीं कर पाई।

प्रदेश के ऐश्वर्य ने यूनिवर्सिटी गेम्स में जीता स्वर्ण

भोपाल, (खेस)। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकेडमी के स्टार शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने चीन के चेंगदू शहर में आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता।

ऐश्वर्य प्रताप गुरुनानक देव विश्वविद्यालय के छात्र है। ओलंपियन तोमर ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में प्रतिस्पर्धा करते हुए कुल 461.7 अंक हासिल करके शीर्ष पोडियम हासिल किया। वहीं पुरुषों के 50 मीटर राइफल में सूर्य प्रताप, सरताज सिंह और ऐश्वर्या तोमर ने 583 अंको के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने गेम्स के दूसरे दिन 7 पदक जीते। इन पदक की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे नंबर आ गया है। भारतीय टीम के नाम 5स्वर्ण समेत 11 पदक हो गए हैं। रविवार को भारत को पहला गोल्ड कंपाउंड मिक्स्ड आर्चरी टीम ने जीता। फाइनल में भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने कोरिया को हराया आर्चरी में कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने फाइनल में कोरिया को हराकर गोल्ड जीता। अमन सैनी और प्रगति की जोड़ी ने कोरिया के सुआ चो और सेउंगह्युन को 157-156 से हराकर पहले स्थान पर रहे। चीनी ताइपे की मिंग-चिंग लिन और जेड वेई वू की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

काउंटी क्रिकेट में नहीं खेलेंगे रहाणे

लंदन। भारत के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने लीस्टरशर की तरफ से काउंटी क्रिकेट में नहीं खेलेंगे क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम के बाद खेल से कुछ दिनों का विश्राम लेना चाहते हैं।

पैंतीस वर्षीय रहाणे को जून में काउंटी क्लब लीस्टरशर से जुड़ना था लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिबद्धताओं को देखते हुए वह तब क्लब से नहीं जुड़ पाये थे। वह आईपीएल के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने के लिए इंग्लैंड चले गए थे और फिर इस महीने के शुरू में वेस्टइंडीज दौरे पर भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थे। क्लब ने कहा कि उनके पूर्व के कार्यक्रम में यह प्रतिबद्धताएं शामिल नहीं थी और अब रहाणे अगस्त और सितंबर में क्रिकेट से विश्राम लेना चाहते हैं जिसका मतलब है कि वह पूर्व कार्यक्रम के अनुसार लीस्टरशर की तरफ से नहीं खेल पाएंगे। लीस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने बयान में कहा, हम अजिंक्य की स्थिति को अच्छी तरह से समझते हैं। हाल में उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त था और हम इससे उबरने और अपने परिवार के साथ समय बिताने की उनकी इच्छा को स्वीकार करते हैं।

पांचवां एशेज टेस्ट ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 249 रन जबकि इंग्लैंड को 10 विकेट की जरुरत

बारिश ने बिगाड़ा चौथे दिन के खेल का रोमांच

लंदन, (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (69 नाबाद) और डेविड वॉर्नर (58 नाबाद) के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें एशेज टेस्ट के चौथे दिन वर्षा प्रभावित मैच में स्टंप्स तक बिना विकेट गंवाये 135 रन बना लिए।

ऑस्ट्रेलिया भले ही 384 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीतने की प्रबल दावेदार नहीं थी लेकिन बारिश से पहले इस शतकीय साझेदारी ने कंगारू टीम की स्थिति संभाल दी है। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अब भी जीत के लिए 249 रन जबकि इंग्लैंड को 10 विकेट की जरूरत है। दिन की शुरुआत 389/9 से करने वाली इंग्लैंड ऑलआउट होने से पहले छह रन ही जोड़ सकी। जेम्स एंडरसन आठ रन बनाकर मर्फी का शिकार हुए। अपना आखिरी टेस्ट

ब्रॉड को मिला गार्ड ऑफ ऑनर

खेल रहे स्टुअर्ट ब्रॉड आठ रन बनाकर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान टीम की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं की। ख्वाजा 130 गेंद पर 69 रन वहीं वॉर्नर 99 गेंद पर58 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरा सत्र शुरू होने के कुछ देर बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। दो घंटे से भी ज्यादा समय तक बारिश न रुकने के कारण अंपायरों ने दिन का खेल खत्म करने का फैसला लिया।

इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने शनिवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां एशेज टेस्ट उनका आखिरी मैच है। इसके बाद ब्रॉड जब रविवार को आखिरी बार बल्लेबाजी करने उतरे तो स्टेडियम में मौजूद दर्शकों सहित उनके साथियों ने भी उनके प्रति सम्मान जताया। दर्शकों ने ब्रॉड के मैदान पर आने के समय खड़े होकर खूब तालियां बजाईं। वहीं, कंगारू प्लेयर्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। ब्रॉड टेस्ट में दूसरे सफल तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 600 से अधिक विकेट चटकाए हैं।

देवधर ट्रॉफी में मध्य व दक्षिण क्षेत्र विजयी

नई दिल्ली। शिवम चौधरी (85) और यश दुबे (72) के अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की मदद से मध्य क्षेत्र ने देवधर ट्रॉफी में उत्तर पूर्व क्षेत्र कोआठ विकेट से हरा दिया।

पहले क्षेत्ररक्षण करते हुए मध्यक्षेत्र ने उत्तर पूर्व को 49 ओवरों में 164 रन पर समेट दिया। आदित्य सरवटे ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए। सारांश जैन और यश कोठारी को दो-दो विकेट मिले। उसके बाद शिवम चौधरी और यश के बीच दूसरे विकेट पर 153 रन की साझेदारी से मध्य क्षेत्र ने 33 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। यह मध्यक्षेत्र की चार मैचों में पहली जीत है। एक अन्य मैच में दक्षिण क्षेत्र ने पूर्वी क्षेत्र को पांच विकेट से हरा दिया। मयंक अग्रवाल (84) और साई सुदर्शन (53) के अर्धशतकों से दक्षिण क्षेत्र ने पूर्वी क्षेत्र को पांच विकेट से हरा दिया। मयंक और सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट पर 118 रन की साझेदारी से दक्षिण ने 230 रन का लक्ष्य 44.2 ओवरों में हासिल कर लिया। मयंक और सुदर्शन के आउट होने के एन जगदीशन (32) और रोहित रायडू (24) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। दक्षिण की यह लगातार चौथी जीत है और वह शीर्ष पर है जबकि पूर्वी क्षेत्र चार मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर चल रहा है। इससे पहले पूर्वी क्षेत्र की ओर से विराट सिंह ने 49, आकाशदीप ने 44 और शुभ्रांशु सेनापति ने 44 रन बनाए। वी कौशिक ने 37 रन देकर और साई किशोर ने 45 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम चव्हाण को धमकी भरा ई-मेल

सतारा, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सतारा जिले के कराड स्थिति राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया है और कथित तौर पर धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महात्मा गांधी पर श्री शिव प्रतिष्ठान के संस्थापक संभाजी भिडे के विवादास्पद बयान पर राज्य विधानसभा में सवाल उठाने और श्री भिडे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने के लिए उन्हें धमकी मिली है।

पाकिस्तान में हिंसक उग्रवाद विधेयक वापस

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी ने रविवार को सत्तारूढ़ गठबंधन सहित सांसदों के कड़े विरोध के बाद हिंसक उग्रवाद को रोकने के उद्देश्य से तैयार एक विधेयक को वापस ले लिया। आज के सत्र के एजेंडे के अनुसार आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह को 'हिंसक उग्रवाद रोकथाम विधेयक 2023' नाम का विधेयक पेश करना था। सत्तारूढ़ गठबंधन सहित कई सांसदों ने हालांकि विधेयक का विरोध किया।

थाईलैंड में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 12 लोग मृत

बैंकॉक, (एजेंसी)। थाईलैंड के दक्षिणी नाराथिवाट प्रांत में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के कारण कम से कम बारह लोगों की मौत हो गई और 118 घायल और झुलस गए इसके अलावा 200 से अधिक आवासीय सुविधाएं और एक स्थानीय बाजार भी दुर्घटना से प्रभावित हुआ। वस्फोट दोपहर करीब 03:00 बजे हुआ। रिपोर्ट के अनुसार मलेशिया की सीमा से लगे थाई शहर सु-नगाई कोलोक में निर्माणाधीन आतिशबाजी कारखाने के एक गोदाम में विस्फोट हुआ।

तालिबानियों ने अब गिटार-तबला-स्पीकर जलाए

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने अब संगीत को अनैतिक बताया है। इतना ही नहीं, तालिबानी अधिकारियों ने हेरात प्रांत में जब्त किए गए संगीत वाद्ययंत्रों और इंस्ट्रूमेंट्स को आग लगा दी। इसे लेकर उनकी ओर से कहा गया कि यह बुराई की रोकथाम के लिए उठाया गया कदम है। सदाचार को बढ़ावा देने व बुराई की रोकथाम के लिए गठित मंत्रालय के हेरात विभाग के प्रमुख अजीज अल-रहमान अल-मुहाजिर इस मामले को लेकर बयान दिया।

सैन फ्रांसिस्को में ही ट्विटर मुख्यालय रहेगा :मस्क

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने कहा है कि कई कंपनियों के शहर छोड़ने के बावजूद ट्विटर का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में ही रहेगा। श्री मस्क ने शनिवार को ट्वीट किया कि कई लोगों ने एक्स (ट्विटर का नया लोगो) को अपने मुख्यालय को सैन फ्रांसिस्को से बाहर स्थानांतरित करने का आग्रह किया है। इसके अलावा, शहर एक विनाशकारी चक्र में है जहां एक के बाद एक कंपनी चली जा रही है या जाने वाली हैं। इसलिए, उन्हें उम्मीद है कि एक्स भी स्थानांतरित हो जाएगा। हम ऐसा नहीं करेंगे।

दिल्ली अध्यादेश से जुड़ा बिल आज संसद में आएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग मामले को लेकर केंद्र और आम आदमी पार्टी आमने सामने है। दिल्ली अध्यादेश से जुड़ा बिल सोमवार को संसद में पेश किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह लोकसभा में बिल पेश करेंगे। बिल पेश होने के दौरान हंगामे के आसार हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विपक्षी पार्टियां बल का खुलकर विरोध कर सकती हैं, क्योंकि इस बिल के विरोध में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले ही विपक्षी दलों के प्रमुखों से मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठाने की मांग कर चुके है। मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली अध्यादेश से जुड़े बिल को संसद की पटल पर रखा जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 मई को ये अध्यादेश जारी किया था।

आज का इतिहास

- **1602:** इंडोनेशिया में नीदरलैंड का राजनैतिक एंव साम्राज्यवादी प्रभाव आरंभ हुआ।
- **1729:** मैरीलैंड में बाल्टीमोर शहर की स्थापना हुई।
- **1825:** माल्दन द्वीप की खोज को हुई।
- **1836:** अमेरिका के हवाई में अंग्रेजी भाषा का पहला अखबार प्रकाशित हुआ।
- **1909:** राइट भाईयों ने सेना के लिए पहला विमान बनाया ।
- **1930:** एनबीसी रेडियो पर देथ वैली डेज का पहला प्रसारण हुआ।
- **1932:** अमेरिका के लास एंजिल्स में दसवें आधुनिक ओलंपिक खेल की शुरुआत हुई।
- **1942:** जर्मन की सेना ने बेलारूस के मिंस्क में 25000 यहूदियों की हत्या की।

टाइटन पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी बोली

शुक्र पर कॉलोनी बनाएंगे

2050 तक हजार लोगों को भेजने का दावा

नए प्रयोग बंद नहीं करने चाहिएः सोनलेन

नई दिल्ली। पिछले महीने अटलांटिक महासागर में फटने वाली टाइटन पनडुब्बी की मैन्युफैक्चरर कंपनी ओशेनगेट अब वीनस यानी शुक्र ग्रह पर कॉलोनी बनाने की तैयारी कर रही है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को ह्यूमंस 2 वीनस नाम दिया गया है। इसके तहत 2050 तक वीनस के वातावरण में रहने लायक पर्मानेंट माहौल बनाया जाएगा और वहां 1000 लोगों को भेजा जाएगा।

तैरने वाली कॉलोनी होगी : ओशेनगेट कंपनी जो कॉलोनी बनाने की तैयारी कर रही है वो एक फ्लोटिंग यानी तैरने वाली कॉलोनी होगी। प्रोजेक्ट का नेतृत्व गुलेर्मो सोनलेन कर रहे हैं, जो ओशेनगेट कंपनी के को-फाउंडर हैं। हालांकि टाइटन पनडुब्बी डूबने और उसमें 4 अरबपतियों और कंपनी के सीईओ की मौत के बाद कंपनी के खिलाफ जांच की जा रही है।सोहनलेन ने कहा कि मानवता को नवाचार की अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने **ह्यूमंस 2 वीनस** नाम से एक समूह शुरू किया और कहा कि लोगों को पृथ्वी के 'दुष्ट जुड़वां' पर रखने का विचार उतना पागलपन भरा नहीं है जितना लगता है। मुझे लगता है कि यह 2050 तक दस लाख लोगों को मंगल ग्रह की सतह पर लाने से कम आकांक्षापूर्ण है। ओशनगेट को भूल जाइए। टाइटन को भूल जाओ, स्टॉकटन को भूल जाओ। मानवता एक बड़ी सफलता के कगार पर हो सकती है और हम इसका लाभ नहीं उठा सकते क्योंकि हम, एक प्रजाति के रूप में, बंद हो जाएंगे और यथास्थिति में वापस धकेल दिए जाएंगे।

सबमरीन में गन शॉट जैसी आवाजें सुनाई देती थीं

स्टेनली ने इंटरव्यू में बताया कि वो 2019 में टेस्ट के दौरान टाइटन की सवारी करने वाले पहले यात्रियों में से एक थे। यात्रा का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया- समुद्र की गहराई में जाना वाकई जोखिम भरा काम है। जब मैं वहां गया था तो हर तीन-चार मिनट में गोली चलने जैसी आवाजें सुनाई दे रही थीं। समुद्र के नीचे इस तरह की आवाजें सुनकर डर लगना जाहिर सी बात है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कार्बन के फाइबर से बनी ट्यूब के फेल होने से ही हादसा हुआ।

सपने में दिखती थी दूसरे ग्रह की दुनियाः गुलेर्मो

गुलेर्मो सोनलेन टाइटन पनडुब्बी के समुद्र की गहराई में जाकर फटने से उठे सवालों का असर अपने प्लान पर नहीं पड़ने देना चाहते हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक गुर्लेमो ने कहा है कि उनके प्लान में कोई खामी नहीं है। उन्होंने कहा- मेरा प्रोजेक्ट 2050 तक मार्स पर 10 लाख लोगों को बसाने जितना महत्वाकांक्षी तो नहीं है। दरअसल, गुर्लेनो ने ये कहते हुए एलन मस्क पर तंज कसा है। मस्क ने 2022 में दिए एक इंटरव्यू में कहा था वो 2050 तक लोगों को मार्स पर बसाना चाहते हैं। गुलेर्मो का कहना है कि वो जब 11 साल के थे तब से उन्हें एक सपना लगातार आता है, जिसमें वो किसी दूसरे ग्रह के कमांडर होते हैं। जब गुर्लेमो से टाइटन पनडुब्बी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 100 फीसदी सेफ्टी जैसी कोई चीज नहीं होती है। रिस्क तो रहता ही है।

रिस्क तो हर अभियान में हैं, मस्क पर कसा तंज

टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए ट्रैप थी

एकतरफ जहां ओशेनगेट कंपनी लोगों को वीनस पर पहुंचाने के लिए प्लान बना रही है। वहीं, दूसरी ओर टाइटन में जान गंवाने वाले कंपनी के सीईओ स्टॉकटन रश के दोस्त ने कहा है कि सबमरीन अरबपतियों के लिए बुना एक जाल था। हादसे के लगभग एक महीने बाद रश के करीबी दोस्त कार्ल स्टेनली ने उनको लेकर कई दावे किए हैं। स्टेनली ने कहा है कि टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए बनाया गया एक माउस ट्रैप था। रश को पता था कि लोगों को टाइटैनिक का मलबा दिखाने वाली ट्रिप एक दिन खतरनाक साबित हो सकती है। इसके बावजूद उन्होंने सबमरीन बनाने का काम जारी रखा।

वीनस पर होती है एसिड की बारिश

प्रतिकूल परिस्थितियांः वीनस यानी शुक्र ग्रह को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि वहां रहने के लिए पृथ्वी जैसा माहौल नहीं है। सोनलेन भी इस बात से सहमत हैं। उनका कहना है कि जब भी वीनस पर जाने के बारे में बात होती है तो न सिर्फ स्पेस इंडस्ट्री के बाहर बल्कि इंडस्ट्री में काम करने वाले लोग तक हैरान रह जाते हैं। शुक्र ग्रह का वातारण कार्बन डाइ ऑक्साइड से भरा है। उसके सरफेस का तापमान लेड को भी पिघला सकता है। वहां सल्फ्यूरिक एसिड की बारिश होती है। वहां वातावरण का दाब पृथ्वी से 90 गुना ज्यादा है। इसके बावजूद गुर्लेमो को लगता है कि वहां जिंदगी तलाशने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। उनका कहना है कि इंसानों को नए प्रयोग करना बंद नहीं करना चाहिए। एक रिसर्च के हवाले से वो कहते हैं वीनस के वातावरण से करीब 30 मील की दूरी पर इंसान के लिए जिंदगी संभव हो सकती है। वहां तापमान और दाब दोनों कम हैं। उनका मानना है कि अगर ऐसा स्पेस स्टेशन बना लिया जाए तो एसिडिक रेन को झेला जा सकता है तो वहां कई सौ इंसानों का रहना संभव हो सकता है।

शोध में शुक्र पर जीवन संभव, सतह से 30 मिल दूर मानव रह सकता है जिंदा

गिलर्मो ने शुक्र पर इंसानों के रहने के लिए योजना एक शोध के आधार पर बनाई है। यह बताता है कि सतह से लगभग 30 मील की दूरी पर शुक्र के वातावरण का एक टुकड़ा है, जहां मनुष्य सैद्धांतिक रूप से जीवित रह सकते हैं। वजह, यहां तापमान कम है और दबाव कम तेज है। नासा के अनुसार, शुक्र में बहुत सारे कार्बन डाइऑक्साइड के साथ घना, जहरीला वातावरण है। यह हमेशा सल्फ्यूरिक एसिड से बने मोटे, पीले बादलों में ढका होता है। उन्होंने कहा कि अगर एक अंतरिक्ष स्टेशन को बादलों में सल्फ्यूरिक एसिड का सामना करने के लिए डिजाइन किया जा सकता है, तो सैकड़ों से हजारों लोग किसी दिन शुक्र के वातावरण में रह सकते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में जोरदार धमाका

50 लोगों जान गई 200 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक इस्लामी राजनीतिक दल के एक सम्मेलन में हुए विस्फोट में 50 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा घायल हो गए। 'जियो न्यूज' ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह विस्फोट बाजौर के खार में राजनैतिक पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के कार्यकर्ता सम्मेलन में हुआ। बताया जाता है कि यह एक सुसाइड हमला था, जो इतने बड़े पैमाने पर लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ा। इस सम्मेलन में 500 कार्यकर्ता शामिल हुए थे । खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजूर जिले के खार में घटना हुई तो, प्रांत अफगानिस्तान सीमा से लगा हुआ है। अक्टूबर में पाकिस्तान देश में चुनाव होने जिसकी तैयारी जारी है। जेएफआई-एफ के संस्थापक इस्लामिक धार्मिक नेता फजुर रहमान है।

राजनीतिक दल का चल रहा था सम्मेलन

बड़ी संख्या में लोग घायलः

पुलिस ने कहा कि इस विस्फोट में करीब 200 लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता बिलाल फैजी ने बताया कि पांच एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और एकता की ताकत से इसके खतरे को खत्म करेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खेलते हैं, वे इंसान कहलाने के लायक नहीं हैं।

पाकिस्तान में बढ़ा आतंकवाद

पाकिस्तान में इस साल कई धमाके हुए हैं जिनमें से ज्यादातर सुसाइड ब्लास्ट थे। बीते कुछ धमाके शिया मस्जिद को टारगेट करते हुए किए गए थे। काबुल में तालिबान राज आने के बाद से पाकिस्तान में टीटीपी जैसे आतंकवादी संगठन एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान में आतंकी हमले और ब्लास्ट काफी बढ़ गए हैं। टीटीपी सरकार के साथ अपना सीजफायर भी खत्म कर चुका है जिससे आने वाले समय में और घातक हमलों का खतरा बढ़ गया है।

2024 में दुनिया का पहला बहु-संवेदक उपग्रह प्रक्षेपित करेगा गैलेक्सआई

नई दिल्ली। चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'गैलेक्सआई' अगले साल दुनिया का पहला बहु-संवेदक उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। उपग्रह रात-दिन पृथ्वी का अवलोकन करने में सक्षम होगा, यहां तक कि यह घने बादलों के बीच भी धरती पर नजर रख सकेगा।

बादलों की स्थिति या रात में विफल हो जाते हैं वर्तमान ऑप्टिकल संवेदक : गैलेक्सआई स्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ सुयश सिंह ने कहा कि वर्तमान ऑप्टिकल संवेदक पृथ्वी की तस्वीर को काफी विस्तार से ले सकते हैं, जिसमें फसलों के वनस्पति स्तर की पहचान भी शामिल है, लेकिन ये बादलों की स्थिति या रात में विफल हो जाते हैं। सिंह ने कहा कि हम मिश्रण और मिलान करने की कोशिश कर रहे हैं। मौजूदा संवेदक सूरज की रोशनी के अभाव में या बादल छाए रहने पर काम नहीं करते।

एसएआर बहुत अच्छा संवेदकः सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) एक बहुत अच्छा संवेदक है, जो सूरज की रोशनी पर निर्भर नहीं है और रात में भी काम कर सकता है।

अतीक का वकील विजय मिश्रा गिरफ्तार, पेशी के बाद जेल भेजा

प्रयागराज, (ब्यूरो)। माफिया अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा को लखनऊ से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उन्हें लेकर प्रयागराज पहुंची है। वहां जिला अदालत में विजय मिश्रा की पेशी हुई। इस दौरान कचहरी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

एहतियातन जिला अदालत के मेन गेट को बंद कर दिया गया था। पेशी के बाद कोर्ट के आदेश पर विजय मिश्र को जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक उमेश पाल हत्याकांड में विजय मिश्रा भी वांक्षित थे। बता दें कि विजय मिश्रा को पुलिस ने शनिवार की रात करीब सवा दस बजे लखनऊ के विभूति खंड में होटल हयात रीजेंसी के पास से दोस्तों के साथ कोल्ड ड्रिंक पीने के दौरान उठाया था। तीन गाड़ियों से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता से बात की और उन्हें गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गई। वकील विजय मिश्रा की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए प्रयागराज के डीसीपी दीपक भूकर ने कहा कि अधिवक्ता विजय मिश्रा, अधिवक्ता उमेश पाल हत्याकांड में वांछित थे।

अतीक के एक और वकील पहले से है गिरफ्त में

बता दें कि अतीक के साथ उसके गुनाहों में शरीक रहने के आरोप में एक और वकील खान सौलत हनीफ को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अतीक की हत?या से कुछ दिन पहले ही सौलत को भी अतीक के साथ उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। बाद में सूत्रों के हवाले से खबर आई हनीफ ने पुलिस को अतीक के बारे में कई अहम जानकारियां दी हैं।

ज्यादा छुट्टी के चलते सेना का जवान बर्खास्त

नई दिल्ली, (आरएनएन)। सुप्रीम कोर्ट ने सेना में अनुशासन को सबसे जरूरी बताया है। कोर्ट ने ये बात एक जवान की याचिका को खारिज करते हुए कही। इस जवान को जरूरत से ज्यादा छुट्टी लेने पर सेना से निकाल दिया गया था। कोर्ट ने कहा- जवान ने सेना के अनुशासन को तोड़ा है। जवान को पहले 39 दिन और फिर 30 दिन की छुट्टी दी गई थी। इसके बाद भी जवान ने ज्वाइन नहीं किया। इसके बाद सेना ने कार्रवाई करते हुए उसे बर्खास्त कर दिया। 4 जनवरी 1983 को एक व्यक्ति की सेना में ट्रांसपोर्ट ड्राइवर के पद पर भर्ती हुई। इस ड्राइवर ने 1998 में 8 नवंबर से लेकर 16 दिसंबर तक 39 दिन की छुट्टी ली। घर की परिस्थितियां ठीक न होने पर उन्होंने 17 दिसंबर से 15 जनवरी 1999 तक 30 दिन की और छुट्टी ले ली। इसके बाद भी उसने जॉइन नहीं किया। 15 फरवरी 1999 को जवान पर आर्मी एक्ट (सेक्शन 106) के तहत कोर्ट ऑफ इंक्वायरी हुई, जिसमें उन्हें दोषी पाया और उनका कोर्ट मार्शल हो गया। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

मस्जिद के सामने डीजे बजाने पर पुलिस ने भांजी लाठी

बरेली, (आरएनएन)। यूपी के बरेली में डीएम-एसएसपी के सामने डीजे बजाकर डांस करना कांवड़ियों को महंगा पड़ा। कांवड़िए मस्जिद के सामने डीजे बजाने की जिद पर अड़े थे। कांवड़िए डीजे बजाकर डांस कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों की बात मानने को राजी नहीं थे। डीएम और एसएसपी को भी फिर गुस्सा आ गया। उन्होंने लाठियां फटकार कर कांवड़ियों को खदेड़ दिया। दो अश्रु गैस के गोले चलाए गए। पुलिस ने गली में खड़े तमाम कांवड़ियों और अन्य लोगों को भी नहीं छोड़ा। उन पर भी डंडे बरसाए। गीता और उनके परिवार में सतीश को लाठीचार्ज में चोट भी आई है।

क्रीमिया पर यूक्रेन का ड्रोन हमला नाकाम

रूस ने कहा हमले का प्रयास किया विफल

मास्को, (एजेंसी)। रूस ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने 25 ड्रोनों का इस्तेमाल कर रात भर क्रीमिया पर हमला करने की कोशिश की जिनमें से सभी को नष्ट कर दिया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आज रात क्रीमिया प्रायद्वीप के क्षेत्र में वस्तुओं पर पच्चीस विमान-प्रकार के मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग करके आतंकवादी हमले को अंजाम देने के यूक्रेन शासन के प्रयास को विफल कर दिया गया। हमले के प्रयास के परिणामस्वरूप कोई हताहत या क्षति नहीं हुई है।

Filmiतड़का

लियो से संजय दत्त का लुक रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की आने वाली तमिल फिल्म लियो से उनका लुक रिलीज हो गया है। तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'लियो' में संजय दत्त अहम किरदार निभाते नजर आयेंगे। निर्देशक लोकेश कनगराज ने 'लियो' का टीजर ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। टीजर को शेयर करते हुए लोकेश ने कैप्शन में लिखा, मिलिये एंथनी दास से... हमारी तरफ से संजय दत्त सर को एक छोटा सा तोहफा। आपके साथ काम करना वाकई एक खुशी की बात है। संजय दत्त ने भी फिल्म 'लियो' के टीजर को शेयर कर कहा, टीजर आगे आने वाली एपिक जर्नी का सिर्फ एक हिंट है। इस गिफ्ट के लिए धन्यवाद टीम। 'लियो'19 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में संजय दत्त के अलावा थलपति विजय और तृषा कृष्णन की भी अहम भूमिका है।

सोनू सूद के जन्मदिन पर घर के बाहर जुटी भारी भीड़, बारिश के बीच खड़े रहे फैन्स

रविवार 30 जुलाई को सोनू सूद अपना जन्मदिन मनाया। कोरोना काल में उन्होंने जिस तरह लोगों की मदद की उसके बाद सोनू 'मसीहा' कहलाए जाने लगे। अभी भी वह लोगों की मदद करते हैं। वह अपने नाम से एक फाउंडेशन चलाते हैं। प्रशंसकों के लिए सोनू केवल एक एक्टर नहीं बल्कि वह तो उन्हें भगवान से कम नहीं मानते हैं। अब जब उनके जन्मदिन का इतना खास मौका हो तो सरप्राइज देना तो बनता ही है। रविवार को उनके घर के बाहर भारी भीड़ जुटी। सोनू ने उन्हें निराश नहीं किया और सभी से मुलाकात की।फैन्स से मिले सोनूः सुबह से सोनू के घर के बाहर लोग जमा होने लगे थे। वह घर से बाहर आए और लोगों के बीच मिलने पहुंचे। सोनू एक कार से निकलते हैं और हाथ वेव करते हैं। कई फैन्स उनके लिए फूल लिए खड़े थे तो कुछ उनके लिए केक लेकर आए थे। सोनू जब गाड़ी से बाहर निकले तो थोड़ी देर में भारी बारिश होने लगी। वह बारिश के बीच भीगते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकर करते दिखे।

मिजोरम ने शुरू किया 35,000 म्यांमार नागरिकों के बायोमेट्रिक्स का काम

आइजोल, (एजेंसी)। मिजोरम सरकार ने गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद फरवरी 2021 से राज्य में रह रहे म्यांमार के नागरिकों के बायोमेट्रिक्स एकत्र करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

गृह मंत्रालय की सलाह पर मणिपुर सरकार ने शनिवार को पूर्वोत्तर राज्य में अवैध म्यांमार प्रवासियों के बायोमेट्रिक्स एकत्र करना शुरू कर दिया और यह अभ्यास सितंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। म्यांमार सेना द्वारा तख्तापलट और शासन संभालने के बाद फरवरी 2021 से बच्चों और महिलाओं सहित लगभग 35,000 म्यांमार नागरिकों ने मिजोरम में शरण ली है। मिजोरम गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि म्यांमार के नागरिकों के बायोमेट्रिक डेटा को रिकॉर्ड करने की प्रक्रिया कुछ दिन पहले सभी 11 जिलों में शुरू की गई थी। यह अभ्यास राहत शिविरों और अन्य स्थानों पर आयोजित किया जा रहा था, जहां म्यांमार के लोग शरण लिए हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने अप्रैल और जून में राज्य सरकार से 30 सितंबर तक म्यांमार अप्रवासियों के बायोमेट्रिक्स इकट्ठा करने को कहा था। अधिकारी ने कहा कि तकनीकी कारणों से यह अभ्यास पहले आयोजित नहीं किया जा सका। मिजोरम सरकार ने पहले अपने दम पर म्यांमार के नागरिकों की प्रोफाइलिंग की थी और विदेशी नागरिकों को अस्थायी फोटो-चिपके पहचान पत्र जारी किए थे।

स्वामी सहजानंद महाविधालय में मनाई गई मुंशी प्रेमचंद की 143वीं जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में सोमवार को कथा सम्राट प्रेमचंद की 143वीं जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय राय ने कहा कि प्रेमचंद रोज-रोज पैदा नहीं होते। प्रेमचंद का समूचा साहित्य सुरक्षात्मक वैक्सीन की तरह है जो शोषण और दुर्व्यवस्था रूपी महामारी से समाज और राष्ट्र को बचा सकता है। राजनीतिशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 कृष्णानन्द चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक समाज में निर्धनता, शोषण और अनाचार रहेगा तब तक प्रेमचंद प्रासंगिक बने रहेंगे। प्रो0 रामनगीना यादव ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद के साहित्य में निहित उदात्त मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो0 अवधेश नारायण राय ने प्रेमचंद के साहित्य का विवेचन करते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश और संस्कृति तथा लोक-मनोविज्ञान की जितनी सूक्ष्म पकड़ प्रेमचंद को थी वह अन्यत्र दुर्लभ है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 वी के राय ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य तत्कालीन समाज का आईना है जो वर्तमान समाज का भी मार्गदर्शन करता है। संगोष्ठी का विषय-प्रवर्तन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राकेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम-संयोजक डॉ0 प्रमोद कुमार श्रीवास्तव 'अनंग' ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सुरेश कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। संगोष्ठी के अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो0 रामधारी राम, डॉ0 विलोक सिंह, सन्ने सिंह, डॉ0 नितिन कुमार राय, डॉ0 विशाल सिंह, राजेश गुप्ता, विनय चौहान, डॉ0 कृष्णकांत दुबे, सतीश राय, डॉ0 कंचन सिंह, प्रियंका सिंह, विभा राय, संजय राय, संजय कुमार, तूलिका श्रीवास्तव, कुशलपाल यादव, अरविंद यादव, अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने किया जिला जेल का औचक निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा संयुक्त रुप से जिला जेल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने कारागार चिकित्सालय मे भर्ती कैदियों से बीमारियो के सम्बन्ध मे पूछताछ की तथा उनके खान-पान एवं साफ-सफाई की जानकारी ली। जिला कारागार के हवालात कार्यालय के स्टाक रजिस्टर की जांच की गयी, इसके पश्चात बारी-बारी से सभी बैरको का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने जिला कारागार मे कारागार चिकित्सालय, महिला एंव पुरूष बैरक, रसोई घर, का निरीक्षण किया तथा कारागार में लगाये सीसीटीवी की संचालन व्यवस्था की जॉच की। कारागार मे रसोई घर के निरीक्षण मे प्रत्येक दिन बनने वाले भोजन के मीनू की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि जेल के अन्दर किसी भी दशा मे मोबाइल का प्रवेश न होने पाये इस हेतु रोस्टर बनाकर चेंकिग अभियान चलाकर चेक किया जायें इसके अतिरिक्त महिला बन्दी गृह मे दी जा रही सुविधाओ के बावत जानकारी ली।

संक्षिप्त खबरें

सेंट जॉन्स स्कूल में हुआ सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का समापन, पुलिस अधीक्षक ने दिलाई शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस प्रशासन द्वारा जिले में 17 जुलाई से चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2023 का समापन समारोह सोमवार को तुलसीपुर स्थित सेंट जॉन्स स्कूल में मनाया गया। समापन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में ओमवीर सिंह पुलिस अधीक्षक गाजीपुर मौजूद रहे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने वहां मौजूद सभी छात्र/ छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया तथा इसका पालन करने के लिए सभी को जागरूक किया। साथ ही छात्र छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने के लिए सभी को हाथ उठाकर शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर ज्ञानेंद्र, क्षेत्राधिकारी नगर गौरव सिंह, यातायात प्रभारी गाजीपुर तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। स्कूल के फादर आनंद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

देश में सत्ता की राजनीति की जा रही है : अमेरिका सिंह यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्रांच कमेटी पचारा की बैठक स्थानीय कैंप कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें अपना विचार प्रकट करते हुए पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव ने कहा कि राजनीति का विषय जीवन की मूलभुत समस्याओं का समाधान करना है। लेकिन देश मे जाति, संप्रदाय, मजहब, भाषा, अवैज्ञानिक विचारों, को आधार बना कर सत्ता की राजनीति की जा रही है।वर्तमान सत्तपाक्ष प्रगति की अग्रिम धारा को पीछे ले जाने की बात करता है। लम्बे संघर्षो के बाद हमने लोकतान्त्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, पूरे देशवाशियों को एक में समेटते हुए राष्ट्र को अनवरत प्रगति के पथ पर ले जाने वाला संविधान अंगीकार किया है। अब उसी पर हमला किया जा रहा है।जिस महान कमेरी जनता ने भारतवर्ष का निर्माण किया है उसी का जीवन संकट में है। हमारी पार्टी शोषित, पीड़ित, किसानो, मजदूरों का राज कायम करने के लिए संकल्पबद्ध है। इसलिए संविधान, देश, जनता को बचाने के लिए आगे बढ़ कर काम करना होगा। इस अवसर पर ब्लॉक मंत्री बच्चेलाल यादव ने संगठन को मजबूत कर धारधार संघर्ष करने वाली पार्टी बनाने पर बल दिया। बैठक में वाहिद अंसारी, गणेश धारकार, हामिद अंसारी, प्रकाश प्रजपति, हंसनैन, अजरुद्दीन, आदि ने संगठन को मजबूत करने का सुझाव दिया। अंत में 25 अगस्त को सरजू पाण्डेय की पुण्यतिथि व 11 अक्टुबर को लखनऊ की होने वाली रैली को सफल बनाने का निर्णय लिया गया।अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत सदस्य पारस कुशवाहा ने किया।

सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) का हुआ विदाई सम्मान समारोह

प्रखर जखनियां गाजीपुर। तहसील क्षेत्र मनिहारी ब्लाक कार्यालय में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) दीनानाथ के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई। सफाई कर्मचारी संघ के संरक्षक डॉ एम खालिद की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में आयोजित समारोह में शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी अनुराग राय ने उनके कार्यकाल की सराहना कर बेहतर भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी अंशुल मौर्या ने सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी को सहज, मृदुभाषी,अनुशासन प्रिय, कठिन परिश्रम एवं कर्तव्यपरायणता की प्रतिमूर्ति बताते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की कामना किया। सेवानिवृत्त दीनानाथ ने 34 वर्षों की अनवरत सेवा मे सफलता का मूल मंत्र सभी के सहयोग एवं समय से समस्त कार्य पूर्ण करने की प्रतिबद्धता को बताते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। सफाई कर्मचारी संघ के ब्लाक अध्यक्ष जयप्रकाश यादव के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सेवानिवृत्त अधिकारी को माला-फूल, विभिन्न उपहारों एवं स्मृति चिन्ह से अलंकृत कर कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ा दिया। विकास खण्ड स्तरीय ग्राम पंचायत अधिकारी संघ अध्यक्ष संजय सक्सेना व ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति एवं कार्यालय स्टाफ ने माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह व श्रीमद भगवद गीता भेंट कर कृतज्ञता व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा.एम खालिद ने कहा कि जो कर्मचारी/अधिकारी अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करेगा वही खुश रहेगा तथा सकुशल सेवानिवृत्त होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाएगा । इस अवसर पर ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष राकेश सिंह अंशु,रामाश्रय सिंह चौहान,कृपेश कुमार, जयप्रकाश यादव,ज्ञानेंद्र गुप्ता बब्लू,गुड्डू काश्यप, प्रमोद सिंह, रमेश सिंह चौहान, अखिलेश यादव, रीतेश कुमार,बबन सिंह, अशोक कुमार, संतलाल यादव आदि उपस्थित रहे संचालन संजय दुबे ने किया।धन्यवाद ज्ञापन जयप्रकाश यादव जेपी ने किया।

बारहवीं मोहर्रम का निकला तीजा का जुलूस

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। सुन्नी समुदाय का बारहवीं मोहर्रम का तीजा का जुलूस सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया । जुलूस के मद्देनजर मुख्य मार्ग दों घण्टे तक यातायात डाइवर्ट रहा । सुरक्षा के कड़े घेरे में जुलूस इमामबाड़ा पहुँचने पर ताजियेदारो ने फातिहा पढ़ा । मोहर्रम के अंतिम जुलूस के चलते लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। शहीदी चौक पर सभी ताजियेदार तबल बजाते हुए पहुँचे, यहाँ से जुलूस इमामबाड़ा के लिए निकला । इस दौरान ताजियेदार अलम के साथ तबल बजाते हुए चल रहे थे । जुलूस इमामबाड़ा पहुँचने पर ताजियेदारो फातिहा पढ़ा, फिर सभी अपने चौक वापस लौट गए । ट्रैफिक को देखते हुए प्रशासन ने दस बजे से बारह बजे तक रुट का डाइवर्जन किया था । दोपहर दो बजे तक कार्यक्रम समाप्त हो गया । जुलूस का संचलान कर रहे मो असलम खान ने प्रशासन, पुलिस और नगर पंचायत का आभार जताया । सुरक्षा की दृष्टि से एसएचओ राजेश यादव पुलिस बल के साथ चौकस दिखे । इस मौके पर प्रमुख रूप से महमूद खान, मो रजा, सरफराज खान, परवेज अंसारी, तबरेज ,सलीम अंसारी, इलियास मोनू सहित भारी संख्या में लोग शामिल रहे ।

शिवपाल यादव ने शक्तिपीठ शीतला धाम चौकिया का किया दर्शन पूजन

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव दूसरे दिन शक्तिपीठ शीतला धाम चौकिया का दर्शन पूजन किया और उन्होंने राहुल त्रिपाठी के नेतृत्व में मौजूद स्थानीय लोगों से कहा भाजपा सरकार धर्म के नाम पर लोगों को ठगने का काम किया है उनका धर्म में कोई भी आस्था विश्वास नहीं है वह सिर्फ धर्म के नाम पर जनता को गुमराह करतें है समाजवादी पार्टी हर धर्मों का सम्मान करतीं हैं हम धर्म कर्म का राजनीतिक लाभ लेने वाले लोग नहीं है अपने-अपने आस्था का विषय जो हम करते हैं और भाजपा अपने ढोंग को धर्म से जोड़कर जनता को गुमराह करतीं हैं भाजपा वाले किसी धार्मिक स्थल पर जाते हैं उसके 1 सप्ताह पहले ही पूरी टीवी चैनलों पर चलने लगता है कि भला तारीख को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री मंत्री दर्शन करने जा रहे हैं आस्थावान लोग बिना बताए दर्शन पूजन करने जाते हैं मै भी कल से जौनपुर आया हूँ शीतला माता के प्रति हमारी आस्था थी ।

बिना कोई प्रचार किए मां का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिनको भगवान में आस्था रहती है वह प्रचार नहीं करते हैं। जिनको भगवान के नाम पर गुमराह करना है वह दर्शन पूजन करने से पहले ही उसका प्रचार करने का काम करतें है जिसमें भाजपा नंबर एक पर है भाजपा के लोगों ने तो भगवान को भी जातियों में बाट दिया वह सिर्फ और सिर्फ धर्म के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं उनका विकास पर रोजगार महंगाई इस पर कोई ध्यान नहीं हैं भ्रष्टाचार लूट हत्या बलात्कार अपराध सबसे ज्यादा भाजपा सरकार मे हो रहा है वहां मुख्य विधायक लकी यादव, पंकज पटेल, पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, सत्येंद्र उपाध्याय,डां अवधनाथ पाल राहुल त्रिपाठी, आशू त्रिपाठी, तोजय त्रिपाठी, कन्हैया यादव, उमाशंकर प्रधान, प्रमोद यादव पुजारी विनय त्रिपाठी, सुमित त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

बिजली कटौती को लेकर भाजयुमो ने समस्या से अवगत कराया नगर बिजली विभाग को

प्रखर रामनगर वाराणसी। भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी एवं उनकी टीम ने नगर में लगभग महीनों से और असमयिक बिजली कटौती को लेकर पॉवर हाउस पहुंचकर बिजली कटौती के बारे में एसडीओ से बातचीत की। नगर में आए दिन बिजली दिन और रात को मिलाकर 4 से 5 घंटा बिजली काटी जा रही है जिससे नगर में समस्त जनता को इस भीषण गर्मी में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जोकि प्रदेश के मुखिया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा प्रदेश में 24 घंटे बिजली व्यवस्था की गई है अर्जुन शर्मा का आरोप है की रामनगर में इस प्रकार बिजली कटौती की जा रही है जिसके वजह से आने वाले लोकसभा चुनाव में इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। पॉवर हाउस के कर्मचारियों की मानसिकता ऐसी है कि जिसके वजह से प्रदेश सरकार बदनाम हो रही है पावर हाउस रामनगर के कर्मचारी सरकार को बदनाम करने की कोशिश में लगे हुए हैं बिजली कटौती को लेकर पावर हाउस में कंप्लेंट करने पर कहा जाता है की लाईट का कटने समय तो नहीं है अभी थोड़े देर में लाइट आ जाएगी ऐसे कहने के बावजूद 4-5 घंटे लाइट कटी रहती है आम जनता को गुमराह किया जाता है एसडीओ नवदीप सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समस्या निस्तारण करेंगे भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी, सुचित पाठक, विकास बघेल, सत्यम पांडेय,आलोक कुमार विवेक दुबे धनंजय यादव संजोग सिंह ओम कसेरा चंदन जायसवाल अजय प्रताप सिंह संदीप कुमार चौहान मनीष पांडे,जय किशन जायसवाल,आदित्य पांडेय रितुराज चौबे, गुलाब बिंद, अभिनाश सिंह व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में शामिल होगी जिले की टीम, सात का हुआ चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में गाजीपुर के 7 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। राष्ट्रीय चैंपियनशिप की यह प्रतियोगिता कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा 24 से 26 अगस्त तक चंडीगढ़ में सम्पन्न होगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप की कानपुर में तीस जुलाई रविवार को सम्पन्न प्रतियोगिता में गाजीपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा, प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में गाजीपुर से 12 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा। अपने उच्चकोटि प्रदर्शन के बल पर 7 खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। प्रतियोगिता में 7 साल के वर्ग में सौम्या चौरसिया को काटा इवेंट में स्वर्ण पदक और कुमिते में पीतल पदक हासिल हुआ। वहीं 8 साल के वर्ग में राजकुमार को काटा में रजत और कुमिते में कांस्य पदक प्राप्त हुआ। इसी प्रकार 12 से 13 साल के वर्ग में हिमांशु कुमार को रजत पदक,आशुतोष शर्मा को पीतल पदक और संजना प्रजापति को

काटा में स्वर्ण पदक तथा कुमीते में रजत पदक हासिल हुआ जबकि यशी गोंड़ को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। 15 से 16 वर्ग में स्मृति विश्वकर्मा को काटा और कुमिते मैं स्वर्ण पदक हासिल हुआ तो 17 साल के वर्ग में उन्नति भारद्वाज को कांता में गोल्ड और कुमीते में सिल्वर मेडल मिला। विकास यादव को 16 साल के वर्ग में कांटा में रजत पदक तथा कुमिते में स्वर्ण पदक हासिल हुआ। सीनियर वर्ग में सूरज प्रजापति को कुमिते में स्वर्ण पदक तथा काटा में रजत पदक प्राप्त हुआ क कराटे प्रशिक्षक अंबिका भारद्वाज ने सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने बताया कि गाजीपुर में कराटे प्रशिक्षण में काफी सुधार हुआ है। इससे गाजीपुर के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं, और पदक भी ला रहे हैं। राष्ट्रीय कराटे प्रतिस्पर्धा में गाजीपुर के खिलाड़ियों का चयन होने पर खिलाड़ियों के अंदर जोश और जुनून और कड़ी मेहनत करने का जज्बा भरा हुआ है। इन खिलाड़ियों में निखार लाने के लिए मैं समर्पित रहूंगा ताकि वह अपने जिले व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

सुंदरीकरण के नाम पर हरे पेड़ों की कटाई कर्मचारी परिषद अध्यक्ष ने की आपत्ति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकास भवन मे सुंदरीकरण के नाम पर विकास भवन के अधिकतर मोटे मोटे पेड़ कटवा दिया गया, जिसके परिपेक्ष में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा जिला वन अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता के क्रम में जिला वन अधिकारी द्वारा टालमटोल जवाब दिया गया, और मुख्य विकास अधिकारी को इन सब मामलों में जिम्मेदार बताया गया। जिस के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य द्वारा परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व शिक्षक नेता विजय शंकर राय को वार्ता के दौरान बताया गया कि छोटे-छोटे पेड़ों की छुट्टियां का निर्देश दिया गया था, किंतु अगर मोटा पेड़ काटा गया है, और इसमें जो भी जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी होगा, उसके ऊपर कार्यवाही की जाएगी। कर्मचारी नेता श्रीवास्तव द्वारा मौके पर भौतिक निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी को मौके पर दिखाया गया कि नीम का पेड़, कदम का पेड़, सागवान का पेड़ व चिकवन का पेड़ सहित लगभग 23 पेड़ हरा काटा हुआ दिखाई दिया, जिसके उपरांत मौके पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया गया, कि जितना भी पेड़ कटा हुआ है, वह सब लकड़ियां विकास भवन के प्रांगण में तत्काल होनी चाहिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि कि जो भी दोषी होगा वह बख्शा नहीं जाएगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा भी 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है कि अगर इस पर उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो बाध्य होकर दिनांक 1 अगस्त 2023 से आपके कार्यालय के समक्ष सत्याग्रह जैसा आंदोलन शुरू किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी। इस दरम्यान वर्तमान जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र बोस, जिला वन अधिकारी दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, विजय शंकर राय, मांधाता सिंह, अनुज अकेला, अतुल कुमार तिवारी, अतुल सिंह, गोपाल खरवार, अभय सिंह, अमित कुमार, प्रमोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

जिले के सूचना प्रहरी अजय कुमार मौर्य के सेवा निवृत होने पर धूमधाम से हुई विदाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला सूचना कार्यालय गाजीपुर के प्रचार सहायक अजय कुमार मौर्य के अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर आज सोमवार को सेवानिवृत्त हो गये। विदाई कार्यक्रम धूम-धाम से आयोजित कर अपरान्ह में कार्यक्रम के दौरान अपर जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार ने मौर्य को रामायण, अंगवस्त्रम एवं अन्य उपहार स्वरूप सामग्री भेट कर उनके स्वस्थ्य जीवन की मंगल कामना की। इस मौके पर अध्यक्ष पत्रकार संघ गाजीपुर विनोद पाण्डेय ने अपने सम्बोधन मे उनके सेवाकाल के दौरान उनके कार्य एवं जीवन चरित्र के बारे मे विस्तार से बताया। पत्रकार शिवेन्द्र कुमार पाठक ने भी उनके कार्यकाल के दौरान उनकी कार्यशैली के बारे मे चर्चा करते हुए कहा कि श्री मौर्य से मेरा विगत 20 वर्षो का सम्बन्ध रहा है इन्होने अपने कार्यकाल मे कर्तव्य निष्ठा व सद्व्यहार का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है सहकर्मियों के प्रति यदि कभी नाराजगी भी हुई तो उसमे उतनी ही तपिश रहती थी जैसे जाडें मे धूप की। इस कार्यक्रम मे विभाग से जुडे कलाकार जावेद

खॉ एवं राकेश कुमार ने विदाई गीत के माध्यम से समारोह में चार चॉद लगा दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समस्त विभागीय कर्मचारी एवं पत्रकार बन्धुओ ने श्री मौर्य को माल्यार्पण कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। विदाई समारोह मे समाचार पत्रों के सम्भ्रान्त पत्रकार बन्धु, एवं कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं